संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 311
पृष्ठ 8
शनिवार
02 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मलेरिया होने पर शरीर दिखाता है...

विचार- विपक्ष के आगे पस्त दिखे प्रधानमंत्री

खेल- इंग्लैंड दौरे पर शुरुआती दो टेस्ट में...

यूपी बनेगा फुटवियर-लेदर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र, सीएम योगी ने नीति पर की चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एमएसएमई विभाग की बैठक में कहा कि उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के पारंपरिक कौशल, प्रशिक्षित श्रमबल, कच्चे माल की प्रचुरता और आगरा, कानपुर व उन्नाव जैसे सशक्त औद्योगिक केंद्रों की मौजूदगी को देखते हुए एक समग्र, व्यावहारिक और परिणामोन्मुखी नीति का निर्माण आवश्यक हो गया है। बैठक में 'उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर एवं नॉन–लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025' के प्रारूप पर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि नीति में स्पष्ट रूप से यह परिभाषित किया जाए कि प्रदेश के कौन–से क्षेत्र इस उद्योग के लिए सबसे उपयुक्त

हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि यदि उत्पादन, डिज़ाइन, अनुसंधान और प्रशिक्षण को एकीकृत किया जाए तो यह क्षेत्र न केवल बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर सकता है, बल्कि लाखों युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स जैसी अधोसंरचना सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया ताकि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके। अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रस्तावित नीति के तहत अगले कुछ वर्षों में लगभग 22 लाख नई नौकरियों के सृजन की संभावना है। वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अकेले कानपुर और उन्नाव में 200 से अधिक सक्रिय टैनरियां कार्यरत हैं, जबकि आगरा को देश की फुटवियर राजधानी के रूप में जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के तहत न केवल लेदर और नॉन–लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों; जैसे बकल्स, ज़िप, सोल, इनसोल, लेस, केमिकल्स, डाइज, हील्स, थ्रेड्स, टैग्स और लेबल्स के निर्माण को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मशीनरी निर्माण, विशेष रूप से चमड़ा सिलाई, कटिंग, मोल्डिंग और नॉन–लेदर सेफ्टी शूज़ बनाने वाली तकनीकों से संबंधित इकाइयों को भी समर्थन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समग्र दृष्टिकोण प्रदेश में एक पूर्ण एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करेगा, जिससे 'डिज़ाइन टू डिलीवरी' मॉडल को स्थानीय स्तर पर साकार किया जा सकेगा। उन्होंने बेहतर उत्पादों के लिए स्किलिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग की मजबूत रणनीति तथा प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

1 नवंबर को 'अमृत रजत महोत्सव', पीएम मोदी से मिलकर छत्तीसगढ़ सीएम साय ने दिया न्यौता

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज (1 अगस्त) नई दिल्ली स्थित संसद भवन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी को छत्तीसगढ़ के गठन की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले आगामी अमृत रजत महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह महोत्सव 1 नवंबर, 2025 को रायपुर में आयोजित किया जाएगा। रजत जयंती समारोह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति अमृत रजत जयंती वर्ष समारोह को अत्यधिक प्रतिष्ठा प्रदान करेगी। राज्य इस वर्ष को पिछले ढाई दशकों की अपनी विकास और परिवर्तन यात्रा पर केंद्रित रखते हुए मना रहा है। मुख्यमंत्री साय

ने प्रधानमंत्री मोदी को राज्य की नीतिगत रूपरेखा, अंजोर विज़न /2047 के बारे में जानकारी दी, जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ के विकास लक्ष्यों को राष्ट्रीय मिशन विकसित भारत के साथ जोड़ना है। यह नीति स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, नवाचार और पर्यावरण में क्षेत्र–विशिष्ट सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत करती है, जिन्हें समावेशी और सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। केंद्र के जन विश्वास अधिनियम 2023 से प्रेरणा लेते हुए, मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य ने पारदर्शिता को बढ़ावा देने और नागरिकों के लिए न्याय को और अधिक सुलभ बनाने के लिए जन विश्वास विधेयक 2025 पारित किया है। यह पहल शासन सुधारों के प्रति छत्तीसगढ़ की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री मोदी को नवा रायपुर के आधुनिक शहरी केंद्र के रूप में विकास की निगरानी हेतु राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के गठन की जानकारी दी। स्मार्ट सिटी योजना और बुनियादी ढाँचे के उन्नयन के साथ, राजधानी क्षेत्र को एक प्रमुख प्रशासनिक और आर्थिक केंद्र के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवंबर 2024 से जुलाई 2025 तक, राज्य को 84 कंपनियों से 6.65 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्रमुख उपलब्धियों में भारत की पहली सेमीकंडक्टर इकाई का शुभारंभ और नवा रायपुर में एक एआई डेटा सेंटर का निर्माण शामिल है। नई औद्योगिक नीति 2024–30 में एकल खिड़की प्रणाली (सिंगल विंडो सिस्टम) की शुरुआत की गई है, जिससे व्यावसायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है और उच्च–रोज़गार वाले उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं।

अमित शाह 29 अगस्त को नवनिर्मित राजभवन का उद्घाटन करने असम आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 अगस्त को नवनिर्मित राजभवन का उद्घाटन करने के लिए असम का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा कि नए राजभवन का उद्घाटन करने के बाद वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नवनिर्वाचित पंचायत सदस्यों के सम्मेलन में शामिल होंगे, जिन्हें कार्यक्रम में सम्मानित भी किया जाएगा। शाम को वह नयी दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले असम के पहले गैर–कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा के जन्मशती समारोह का उद्घाटन करेंगे। राजभवन राष्ट्राध्यक्ष का आधिकारिक निवास है। पदभार ग्रहण करने से पहले, राज्यपालों को राजभवन के दरबार हॉल में शपथ दिलाई जाती है। राज्य के नवनिर्वाचित

मुख्यमंत्री और मंत्रियों, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं न्यायाधीशों, मुख्य सूचना आयुक्तों, आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों, राज्य चुनाव आयुक्त, लोकायुक्त, उप–लोकायुक्त को पद की शपथ राजभवन के दरबार हॉल में दिलाई जाती है। इन महत्वपूर्ण आयोजनों के अलावा, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्य की राजधानी की यात्रा पर आने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों को राजभवन में ठहराया जाता है। आपको बता दें कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में बोलते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी पर अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की भी आलोचना की, खासकर अक्साई चिन को चीन को देने, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (स्छैब) में चीन की सीट का समर्थन करने और 1962 के युद्ध के दौरान असम को अलविदा कहने के लिए। कांग्रेस पर उनका यह हमला तब हुआ जब उन्होंने सदन को बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले में शामिल लश्कर–ए–तैयबा (स्मज) के तीन पाकिस्तानी आतंकवादियों को सोमवार को श्रीनगर के पास भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को यौन उत्पीड़न विरोधी कानून के दायरे में लाने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (पोश अधिनियम) के दायरे में राजनीतिक दलों को लाने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विषय संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता योगमाया एम जी की इस याचिका पर विचार करने से मना कर दिया। पीठ ने कहा याचिकाकर्ता से कहा कि अदालत इस मामले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती, क्योंकि यह संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता को सुझाव दिया कि वे कुछ महिला सांसदों को शामिल कर इस संबंध में एक निजी विधेयक पारित करने की दिशा में प्रयास करें। इस पर अधिवक्ता गुप्ता ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता कोई अधिनियम नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों को पोश अधिनियम के दायरे में लाने के लिए अदालत की व्याख्या चाहती हैं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि पोश अधिनियम के अर्थ में राजनीतिक दल कार्यस्थल और नियोक्ता माने जाएँगे, इसलिए उन्हें महिला राजनीतिक कार्यकर्ताओं के यौन उत्पीड़न से निपटने के प्रावधानों का पालन करना होगा।

संस्कृत को भारत में घर-घर तक पहुंचाने, संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता : भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार (1 अगस्त, 2025) को कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं का मूल है और इसे संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। संस्कृत को घर–घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार–प्रसार की वकालत की और कहा कि यह ऐसी है जो "हमारी भावनाओं (भाव) को विकसित" करती है। उन्होंने कहा कि सभी को इस प्राचीन को जानना चाहिए। नागपुर में कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक भवन के उद्घाटन समारोह में भागवत ने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है। भागवत ने कहा कि संस्कृत भारत की सभी भाषाओं की जननी है और इसे आगे बढ़ाने के लिए लोगों को अपने दैनिक जीवन में इसका इस्तेमाल करना चाहिए। आरएसएस प्रमुख ने कहा, "हमें अपने दैनिक संवाद में इस को बोलना सीखना होगा। यह दैनिक संवाद की बननी चाहिए। मैंने यह सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है और इस में संवाद जरूरी है।" भागवत ने कहा कि 'आत्मनिर्भर' बनने और 'स्वबल' प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए "हमें अपनी बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होगा।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की ताकत उसका 'स्वत्व' है यानी कि आत्मनिर्भरता द्वारा स्वामित्व की भावना। उन्होंने कहा, "स्वत्व कोई भौतिक चीज़ नहीं, बल्कि व्यक्तिगत है और यह के माध्यम से अभिव्यक्त होती है।" आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संस्कृत को जानना, देश को समझने के समान है। भागवत ने विश्वविद्यालय में अभिनव भारती अंतरराष्ट्रीय अकादमिक भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी समाज जहां "वैश्विक बाजार" की बात करते हैं, वहीं "हम वैश्विक परिवार" की बात करते हैं, जिसकी विशेषता 'वसुधैव कुटुम्बकम' (विश्व एक परिवार है) की अवधारणा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी लोगों ने "वैश्विक बाजार" का विचार विकसित किया था जो अब "विफल" हो चुका है। भागवत ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान 2023 में भारत द्वारा जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के बारे में बात की और बताया कि इसका विषय "वसुधैव कुटुम्बकम" था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने भाषण में संस्कृत की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला और के विकास के लिए अपनी सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को, अधिसूचना सात अगस्त को होगी जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को कराया जायेगा। इसके लिए अधिसूचना अगले सप्ताह गुरूवार को जारी की जायेगी। चुनाव आयोग द्वारा शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए अधिसूचना गुरुवार, 07 अगस्त को जारी की जाएगी। इसके साथ ही नामांकन भरने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। नामांकन पत्र गुरुवार, 21 अगस्त तक भरे जा सकेंगे और नामांकन पत्रों की जांच शुक्रवार 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन सोमवार, 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आयोग ने कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान मंगलवार, नौ सितंबर को पूर्वाह्न दस बजे से शाम पांच बजे तक कराये जायेंगे। मतगणना उसी दिन मतदान सम्पन्न होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी की निगरानी में करायी जाएगी। सभी के मत का मूल्य एक समान (1) होगा। आयोग ने राज्य सभा के महासचिव प्रमोद चन्द्र मोदी को इस चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है।

उमर को साबरमती रिवरफ्रंट पर दौड़ का आनंद लेते देखना अच्छा लगा : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को साबरमती रिवरफ्रंट पर दौड़ का आनंद लेते और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने जाते देखकर अच्छा लगा। उनकी यह यात्रा एकता का एक महत्वपूर्ण संदेश देती है और हमारे साथी भारतीयों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करने के लिए प्रेरित करेगी। श्री

मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा, " श्री उमर अब्दुल्ला जी को साबरमती रिवरफ्रंट पर दौड़ का आनंद लेते और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी देखने जाते देखकर अच्छा लगा। उनकी यह यात्रा एकता का एक महत्वपूर्ण संदेश देती है और हमारे साथी भारतीयों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करने के लिए प्रेरित करेगी।" इससे पूर्व उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट में केवडिया यात्रा के फोटो साझा करते हुये कहा, "एक पर्यटन कार्यक्रम के लिए अहमदाबाद में रहते हुए, मैंने यहाँ होने का लाभ उठाते हुए प्रसिद्ध साबरमती रिवरफ्रंट सैरगाह पर अपनी सुबह की दौड़ लगाई। यह उन सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है जहाँ मैं दौड़ पाया हूँ और इतने सारे अन्य पैदल यात्रियों/धावकों के साथ इसे साझा करना मेरे लिए खुशी की बात थी। मैं अद्भुत अटल फुट ब्रिज के पास से भी दौड़कर गुज़रा।

चुनाव आयोग करवाता है वोट चोरी, हमारे पास हैं सबूत : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी करा रहा है और इसके उनके पास पर्याप्त सबूत हैं लेकिन जो यह चोरी करवा रहे हैं उनका यह काम देशद्रोह हैं और ऐसे लोगों को खोज निकालेंगे। श्री गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, "हमारे पास सबूत है कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है। मैं शत– प्रतिशत सबूतों के साथ ये बात कह रहा हूं। हम जैसे ही ये सबूत सबके सामने रखेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है।" कांग्रेस नेता ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि चुनाव आयोग यह काम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए करा रहा है। उन्होंने कहा कि सवाल है कि आयोग किसके लिए करा रहा है यह वोट चोरी, इसका जवाब है कि भाजपा के लिए करा रहा है। उन्होंने कहा,

"हमें मध्य प्रदेश में संदेह था, लोकसभा चुनाव में संदेह था, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संदेह था। चुनाव आयोग हमारी मदद नहीं कर रहा था इसलिए हमने अपनी तरफ से जांच करवाई। इस जांच में छह महीने लगे और जो हमें मिला है– वह एटम बम है।

केंद्र ने भूस्खलन की घटनाओं में कमी लाने के लिए 125 करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी, सीएम धामी ने किया स्वागत

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में भूस्खलन की आवर्ती समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार ने भूस्खलन शमन के लिए 125 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी है और अन्वेषण तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए पहले चरण में 4.5 करोड़ रुपये जारी किए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे राज्य के आपदा–संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन की समस्या का दीर्घकालिक समाधान खोजने की दिशा में एक निर्णायक पहल बताया। उन्होंने कहा कि परियोजना के तहत पाँच अति संवेदनशील और अक्सर प्रभावित होने वाले स्थानों को राहत कार्यों के लिए

प्राथमिकता दी गई है। इनमें मनसा देवी हिल बाईपास रोड (हरिद्वार), गलोगी जलविद्युत परियोजना रोड (मसूरी), बहुगुणा नगर भू–धंसाव क्षेत्र (कर्णप्रयाग, चमोली), चार्टन लॉज भूस्खलन क्षेत्र (नैनीताल), और खोतिला–घाटधार भूस्खलन क्षेत्र (धारचूला, पिथौरागढ़) शामिल हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान इस मार्ग का उपयोग वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी किया जाता है। इस आपदा से अनुमानित 50,000 की स्थानीय आबादी प्रभावित होती है। मसूरी क्षेत्र में गलोगी जल विद्युत परियोजना मार्ग, देहरादून–मसूरी मार्ग पर स्थित है। यहाँ मानसून के दौरान नियमित रूप से भूस्खलन होता है, जिससे यातायात प्रभावित होता है और सड़क अवसंरचना को गंभीर नुकसान पहुँचता है। चमोली जिले में, कर्णप्रयाग का बहुगुणानगर क्षेत्र भू–धंसाव से प्रभावित है, जिससे आवासीय भवनों और सड़कों को गंभीर नुकसान पहुँच रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह क्षेत्र भूगर्भीय दृष्टि से अत्यंत अस्थिर है।

इसी प्रकार, नैनीताल का चार्टन लॉज क्षेत्र सितंबर 2023 में भूस्खलन से प्रभावित हुआ था, जिसके कारण कई परिवारों को अस्थायी रूप से उस स्थान से स्थानांतरित कर दिया गया था। जल निकासी की अपर्याप्त सुविधा और लगातार बारिश को भूस्खलन का प्रमुख कारण माना जा रहा है। पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र में खोतिला–घाटधार भूस्खलन क्षेत्र भारत–नेपाल सीमा पर स्थित है।

नाबालिग छात्र की मौत मामले में चाचा-चाची गिरफ्तार

प्रयागराज। कीडगंज में दो दिन पहले बुधवार को कक्षा नौवीं के छात्र राज यादव उर्फ गुन्नू की संदिग्ध मौत के मामले में उसके चाचा–चाची को गिरफ्तार कर गया है। छात्र की मां की तहरीर पर चाचा–चाची और बुआ के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। उनके खिलाफ गुन्नू को प्रताड़ित और आत्महत्या के लिए बाध्य करने का आरोप है। खलासी लाइन कीडगंज में स्वर्गीय रवि यादव का 15 वर्षीय बेटे गुन्नू अपनी दादी गायत्री देवी के साथ पैतृक घर में रहता था। उसकी मं निशा अपनी बेटी राधा के साथ मुट्ठीगंज स्थित मायके में रहती हैं। गुन्नू की बुधवार को अचानक हुई मौत को लेकर दोनों परिवारों में जमकर हाथापाई तक हुई थी। गुन्नू के चाचा–चाची और बुआ आदि का कहना था कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। जबकि उसकी मां और ननिहाल पक्ष ने संपत्ति के लालच में हत्या करने का आरोप लगाया। थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि मृतक की मां निशा यादव की तहरीर पर आरोपी चाचा संजय यादव और उसकी पत्नी रेखा यादव पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मानसिक रोगी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय मानसिक रोगी युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पीड़िता अपने छत पर थी, तभी आरोपी ने घिनौनी हरकत को अंजाम दिया। आरोपी जितेंद्र निषाद को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि मानसिक रोगी युवती 29 जुलाई को अपने छत पर थी। तभी आरोपी आया और जबरन युवती के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गुरुवार को जितेंद्र निषाद को शगुन पैलेस के पास से गिरफ्तार कर लिया है।

पीडब्ल्यूडी का निर्माण खंड छह हुआ समाप्त

प्रयागराज। पीडब्ल्यूडी प्रयागराज का निर्माण खंड छह समाप्त हो गया है। जिसे महाकुम्भ के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों के लिए सृजित किया गया था। उप्र सरकार के विशेष सचिव शेषनाथ ने खंड को समाप्त किए जाने के संबंध में विभाग के प्रमुख अभियंता और विभागाध्यक्ष को निर्देश जारी किया है। यह खंड अब लखनऊ कार्यालय में निर्माण खंड चार भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। इस खंड में अधिशाषी अभियंता चंद्र प्रताप सिंह व सहायक अभियंता आरके सिंह सहित कुल 35 अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत थे। सभी को अलग–अलग खंडों में समायोजित किया जाएगा।

हाईकोर्ट में वर्दी पहनकर पहुंचे रिटायर इंस्पेक्टर

प्रयागराज। हाईकोर्ट में गुरुवार को एक रिटायर इंस्पेक्टर वर्दी पहनकर घुस गए। सोशल मीडिया में फोटो वायरल हो रही है। हालांकि पुलिस के आलाधिकारियों का कहना है कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा को लेकर चाक–चौबंद व्यवस्था रहती है। सूत्रों की मानें तो गाजीपुर जिले के एक रिटायर इंस्पेक्टर का किसी अन्य पुलिस निरीक्षक से दीवानी का मामला हाईकोर्ट में चल रहा है। इसी के सिलसिले में एक साल पहले रिटायर होने के बाद भी इंस्पेक्टर बकायदा थ्री स्टार लगी खाकी वर्दी पहनकर हाईकोर्ट पहुंच गए। वायरल फोटो के साथ दावा किया जा रहा है कि हाईकोर्ट के सुरक्षा जवानों ने पूछताछ के उन्हें वर्दी पहनकर नहीं आने की बात कही। इस संबंध में डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने पूछे जाने पर बताया कि एक रिटायर इंस्पेक्टर के वर्दी पहनकर हाईकोर्ट में आने की सूचना मिली है। अभी तक किसी तरह की लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

गंगा यमुना का जलस्तर 83 मीटर पार

प्रयागराज। गंगा और यमुना के जलस्तर में तेजी से हो रही बढ़ोतरी ने आम नागरिकों को परेशान कर दिया है। शुक्रवार सुबह जलस्तर 83 मीटर पार कर चुका है। शुक्रवार सुबह नैनी में यमुना

का जलस्तर 83.54 मीटर रिकार्ड किया गया। बीते 24 घंटों में यहां 101 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी रिकार्ड की गई। फाफामऊ में 83.22 मीटर जलस्तर दर्ज किया गया। यहां गुरुवार सुबह आठ बजे के मुकाबले 82 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। छतनाग में 24 घंटे में 104 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी रिकार्ड की गई, यहां सुबह आठ बजे 82.92 मीटर जलस्तर रिकार्ड किया गया।

धोखा देकर ली पेंशन, सरकार के डूबे 40 लाख

प्रयागराज। गरीबों के लिए सरकार ने पेंशन योजनाएं चलाई हैं, लेकिन इन योजनाओं में भी लोग धोखा देकर लाभ उठा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग, महिला एवं बाल कल्याण विभाग और दिव्यांगजन विभाग की 40 लाख रुपये की पेंशन लोग डकार गए हैं। बड़ी बात यह है कि विभागों के पास इसकी जानकारी भी है, लेकिन उनका कहना है कि रिकवरी का कोई विकल्प शासन ने दिया ही नहीं है। ऐसे में वो आगे कार्रवाई कर भी नहीं सकते। प्रदेश सरकार महिला एवं बाल कल्याण विभाग की ओर से निराश्रित पेंशन योजना का संचालन करती है। विभाग के लगभग 28 हजार पेंशनर इस जिले में हैं। पिछले दिनों जब विभाग ने सत्यापन किया तो यह मालूम चला कि 100 से अधिक लोगों की एक साल से अधिक समय पहले शादी हो गई या फिर उनकी मृत्यु हो गई। इसकी सूचना अब तक विभाग को दी ही नहीं गई और सालभर से खाते में पेंशन की राशि जा रही है। 12 लाख रुपये से अधिक की राशि खाते में जा चुकी है। वो भी तब जबकि पात्र अपात्र हो गए थे। इस बारे में डीपीओ सर्वजीत सिंह का कहना है कि राशि तो विधवा महिलाओं के खाते में ही गई थी। अब विवाह हो जाने या मृतक पाए जाने पर रिकवरी का कोई आदेश ही नहीं है तो इसे कैसे वापस लिया जाए।

गौरैया माता मंदिर अव्यवस्थाओं का शिकार, भक्तों की पुकार, मंदिर का हो जीर्णोद्धार

प्रयागराज। सोरांव कस्बे के मध्य में सिद्धपीठ माता गौरैया का प्राचीन मंदिर अव्यवस्थाओं का शिकार है। भक्तों ने गौरैया माता मंदिर के जीर्णोधार की मांग किया है। पांडव कालीन मंदिर होने के नाते सैकड़ों किलोमीटर दूर से भक्त माता के दर्शन लाभ लेने पहुंचते हैं। हर मंगलवार को हजारों भक्त श्रद्धा एवं सच्चे मन से मंदिर परिसर में रोट बनाकर माता जी को चढ़ाते हैं मान्यता है कि सभी की मनोकामना पूर्ण होती है। सिद्धपीठ माता गौरैया की सोरांव कस्बा में कुलदेवी के रूप में पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अज्ञातवास के दौरान द्रौपदी संग पांडव सोरांम ग्राम सभा में पहुंचे।

रात्रि विश्राम की अगली सुबह इस निर्जन स्थान पर स्नान के लिए कोई सरोवर एवं पूजा अर्चना के लिए मंदिर नहीं था। बुजुर्ग बताते हैं कि द्रौपदी ने स्नान की इच्छा जताई तो गदाधारी भीम के गदा के एक प्रहार से धरती से जलधारा फूट पड़ी। द्रौपदी ने सरोवर में स्नान कर पांचों पांडवों की सहायता से माता गौरैया को स्थापित कर उनकी पूजन अर्चन किया। उन्होंने गौरा माता जिन्हें कालांतर में गौरैया माता के रूप में लोगों ने पूजना प्रारंभ कर दिया। जबकि भीम की गदा से निकला पवित्र सरोवर, गौरैया सरोवर के रूप में आज भी ग्रंथों में वर्णित है। सिद्धपीठ गौरैया माता मंदिर में आज भी सोरांव मुख्यालय के आस पास के सैकड़ों गांव के साथ ही प्रतापगढ़, जौनपुर, प्रयागराज शहर, कौशाम्बी आदि शहरों से लोग माता के दर्शन करने आते हैं। ग्रंथों में गौरैया माता की स्थापना के माह का वर्णन मिलता है। जिनमें विद्वानों ने बताया है कि द्रौपदी ने आषाढ़ मास में माता गौरा को स्थापित कर उनकी पूजा अर्चना प्रारंभ की थी। जिसके चलते आज भी आषाढ़ मास को विशेष रूप से माता के स्थापना दिवस के रूप मनाने का प्रावधान है और इस माह में लाखों भक्त माता के दर्शन कर अपने परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना करते हैं। श्रद्धा पूर्वक भक्तों द्वारा माता जी का दर्शन एवं पूजा करने पर आज भी लोगों की मनोकामना पूर्ण होती है। माता की महिमा की कहानी कोसों दूर से आने वाले भक्त भी अपनी मधुर वाणी से बताते नहीं थकते हैं। कई ग्रंथों एवं लेखकों ने माता गौरैया की महिमा के साथ भक्तों में हुए चमत्कारों का जिक्र किया है। बताते हैं कि आल्हा–ऊदल के विजय गाथा का विवरण है, जिसमें वह युद्ध में पृथ्वीराज चौहान से पराजित हो जाते थे। उन्होंने जब मैहर स्थित माता शारदा की विशेष पूजा एवं यज्ञ करते हुए अपनी हार का कारण जानना चाहा तो माता शारदा ने स्वप्न में माता गौरैया के बारे में बताया और कहा कि गौरैया सरोवर में स्नान कर विधि विधान से माता गौरैया की स्तुति करने से विजय प्राप्त होगी। इसके पश्चात आल्हा–ऊदल घोड़े पर सवार होकर सोरांव आए और गौरैया सरोवर में स्नान कर माता गौरैया की विधि पूर्वक पूजा अर्चना की, जिसके पश्चात उन्होंने युद्ध में पृथ्वीराज को परास्त किया। माता गौरैया के आशीर्वादों एवं कृपा की कई कहानियां समाज में प्रचलित हैं। बताते हैं कि करीब चालीस के दशक में सोरांव के सेठ मेवालाल गुप्ता को कोई संतान नहीं थी। माता की महिमा सुन उन्होंने आषाढ़ मास में परिवार के साथ गौरैया माता की विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना करते हुए माता से संतान प्राप्ति की इच्छा जताई। माता के आशीर्वाद से अगले वर्ष ही उन्हें प्रतापी संतान की प्राप्ति हुई। सेठ मेवालाल ने माता गौरैया का विशाल यज्ञशाला का निर्माण कराया था, माता जी के मन्दिर की देखभाल ट्रस्टी संजीव गुप्ता कर रहे हैं। 22 बीघा का गौरैया सरोवर छह बीघा में सिमटा 70 के दशक तक बाइस बीघा का गौरैया सरोवर आज मात्र छह बीघे में सिमट गया है। पवित्र सरोवर

में श्रद्धालु स्नान कर माता गौरैया के दर्शन को जाते थे। लेकिन अब सरोवर के किनारों पर लोगों ने कब्जा कर अवैध निर्माण कर लिया है। सरोवर का अस्तित्व अब समापन की ओर दिखाई पड़ रहा है। अब महज छह बीघे का बचा है, जिस पर भू माफिया की नजर है। प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने पर भक्तों ने तहसील प्रशासन से शिकायत किया था, परन्तु कोई कार्रवाई नहीं हुई। तहसील प्रशासन यह जानते हुए कि गौरैया सरोवर बेहद पवित्र एवं भक्तों की आस्था से जुड़ा सरोवर है, उसे मछली पालन के लिए नीलाम कर पर कुछ लोगों ने दीवार बनाकर अतिक्रमण कर लिया। जल्द ही अतिक्रमण हटवाते हुए जल निकासी का रास्ता बनाकर जल भराव की समस्या दूर की जाएगी। गौरैया माता मंदिर पर श्रद्धालुओं की आस्था जुडी हुई है। इसके लिए हम सभी को समाज के साथ मिलकर व्यवस्था ठीक करनी होगी। –हीरालाल सैनी, एसडीएम, सोरांव गौरैया माता मंदिर का यदि रजिस्ट्रेशन है तो मंदिर जीर्णोधार के लिए शासन से बजट दिलाने का प्रयास करूंगा। मंदिर समिति के लोगों को अस्वस्थ करते हुए कहा कि गौरैया माता मंदिर के सौंदरीकरण के लिए हर संभव मदद होगी। गौरैया माता मंदिर से लोगों की आस्था जुड़ी है। इसके विकास के लिए हर संभव मदद होगी। मंदिर कमेटी के सदस्यों को लेकर जल्द शासन स्तर पर वार्ता करते हुए विकास की रूपरेखा तैयार होगी। सोरांव के लिए लगातार विकास कार्य सरकार द्वारा कराया जा रहा है। –सुरेन्द्र चौधरी, एमएलसी

सिद्धपीठ गौरैया माता मंदिर का विंध्याचल माता मंदिर की तर्ज पर कॉरिडोर का निर्माण होना चाहिए। इसके लिए व्यापारियों के साथ मिलकर सांसद विधायक के द्वारा सरकार से मांग करेंगे। गौरैया माता मंदिर सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारी बारिश के बाद बनाने का अश्वासन दिया है। –सुरेश चौरसिया, जिलाध्यक्ष गंगापार, प्रयागराज व्यापार मंडल सिद्ध पीठ गौरैया माता मंदिर हम सब के आस्था का प्रतीक है। माता जी के मन्दिर परिसर में साफ सफाई के साथ जीर्णोधार होना चाहिए। इसके लिए निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास करना होगा। जरूरत पड़ने पर लखनऊ पहुंचकर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर माता जी के मंदिर पर कॉरिडोर निर्माण की मांग करेंगे। –मनोज कुमार गुप्ता, व्यापारी, सोरांव पूर्वजों ने जिस आस्था के केंद्र की जिम्मेदारी सौंपी है, उसका मुख्य ट्रस्टी के रूप में पूरी तरह निर्वहन कर रहा हूं, लेकिन जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के चलते सिद्धपीठ माता गौरैया मंदिर उपेक्षित है। सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। –संजीव गुप्ता, ट्रस्टी, गौरैया माता मंदिर, सोरांव प्राचीन गौरैया मंदिर की महत्ता आज भी उतनी है, जितनी कई दशकों पहले थी। दूर दराज के लोग माता की पूजा करने पहुंचते हैं। माता जी के मंदिर का जीर्णोद्धार होना आवश्यक है। ताकि आने वाले भक्तों को सुविधा मिल सके। –अशोक केसरवानी, व्यापारी, सोरांव गौरैया माता के दरबार में मंगलवार को मेला लगता है, जो पिछले कई वर्षों से अनवरत चल रहा है। दूर दराज से आने वाले भक्तगण माता जी की पूजा अर्चना करते मनवांछित फल प्राप्त कर रहे हैं। गौरैया माता मंदिर का कॉरिडोर निर्माण होना चाहिए। –संतोष कुमार केसरवानी (पंडारी), संरक्षक श्री रामलीला कमेटी एवं पूर्व प्रधान पति सोरांव सिद्धपीठ माता का मंदिर कस्बा के मध्य होने के साथ ही आस पास गंदगी रहती है जिससे श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां के लिए एक नियमित रूप से सफाईकर्मी की नियुक्ति होनी चाहिए। –श्याम जी केसरवानी, कपड़ा व्यापारी, सोरांव गौरैया मंदिर और गौरैया सरोवर की मान्यता प्राचीन काल से है। पूर्व में भक्त गौरैया तालाब में स्नान के साथ दर्शन कर माता का आशीर्वाद लेने हजारों की संख्या में आज भी भक्तगण आते हैं। गोरैया माता मंदिर का कॉरिडोर निर्माण होना चाहिए। –हरि प्रसाद मौर्य, व्यापारी प्रयागराज शहर में व्यवसाय एवं निवास होने के बाद भी हर मंगलवार को गोरैया माता के दरबार में पूजा अर्चना के लिए सोरांव पहुंचते हैं। माता जी में अपार श्रद्धा रखने वाले भक्तों का सदैव मनोकामना पूर्ण होती है। माता जी के मंदिर का कॉरिडोर बनना चाहिए। –कृष्ण मुरारी सोनी, व्यापारी सोरांव प्रयागराज नवरात्र और आषाढ़ माह में माता का दरबार भक्तों से भरा रहता है। मंदिर प्राचीन होने के साथ ही सोरांव के लोगों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। बड़ी संख्या में महिलाएं पूजा अर्चना के लिए आती है। ऐसे में अव्यवस्था से सभी को दो चार होना पड़ता है। –अनीता गुप्ता, सोरांव, प्रयागराज

शराब पीते वक्त विवाद में चाकू मारकर युवक की हत्या

प्रयागराज। यमुनापार में मेजा थाना क्षेत्र के कंजौली गांव के बगीचा में शराब पीने के दौरान हुई नोकझोंक में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी होते ही मृतक के परिजनों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, कंजौली गांव निवासी 28 वर्षीय नागेश्वरनाथ जैसल गुरुवार दोपहर लगभग तीन बजे पड़ोसी अवधेश के साथ गांव के बगीचे में बैठकर शराब पी रहा था।

इस दौरान किसी बात को लेकर दोनों में नोकझोंक हो गई। आरोप है कि नशे में धुत अवधेश ने चाकू से नागेश्वरनाथ के सीने में कई वार किए और फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन रोते–बिलखते पहुंचे और लहूलुहान नागेश्वरनाथ को लेकर सीएचसी रामनगर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी सुनीता समेत परिजनों का हाल बेहाल रहा। एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय ने बताया कि हत्यारोपी अवधेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। शराब पीने के दौरान किसी बात को लेकर नोकझोंक हुई और चाकू से प्रहार कर हत्या की गई है। मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

गलाई मिलने पर सिक्स लेन पुल निर्माण कार्य शुरू

प्रयागराज। गंगा पर बन रहे सिक्स लेन पुल के लिए मंगाए गए फ्लोटिंग बैराज से निर्माण कार्य गुरुवार को शुरू हो गया। निर्माण के जिस स्थल पर दो स्पैन रखे जाने हैं, वहां पर डेढ़ मीटर गहराई मिलने के बाद सिंगला कंपनी के अधिकारियों ने अनुकूल स्थिति मिलने पर कार्य करना प्रारंभ किया। अधिकारियों का दावा है कि मार्च 2026 तक 320–320 मीटर के दो स्पैन रखने के साथ ही पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। बाढ़ के दौरान पुल का निर्माण कार्य ना प्रभावित हो, इसके लिए वाराणसी से जलमार्ग के जरिए बैराज 20 जुलाई को प्रयागराज पहुंचा था। लेकिन स्पैन रखे जाने वाले स्थान पर डेढ़ मीटर गहराई नहीं मिलने की वजह से निर्माण कार्य नहीं शुरू कराया जा सका था। तीन दिनों से जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। इस बीच 30 जुलाई की रात तक स्पैन रखे जाने वाले स्थान पर बैराज के अनुकूल जलस्तर मिल गया। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के परियोजना निदेशक नुसरत उल्ला ने बताया कि मार्च 2026 तक पुल का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उसके बाद दो महीने तक पुल पर सड़क का निर्माण और सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। हमारा प्रयास है कि मई 2026 तक मलाक हरहर से लेकर स्टेनली रोड तक करीब 10 किमी के पुल आवागमन के लिए खोल दिया जाए।

पंचायत चुनाव के पहले फूलपुर बन सकता है नगर पालिका

प्रयागराज। अगले वर्ष होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले फूलपुर नगर पंचायत नगर पालिका बनाई जा सकती है। इसके लिए कवायद शुरू कर दी गई है। चुनाव से पहले चक्रानुक्रम में परिसीमन होगा, जिसमें नगर पालिका में नए गांव शामिल करने की तैयारी है। फूलपुर नगर पंचायत की आबादी अब 10 हजार से अधिक हो चुकी है। ऐसे में अब इसे नगर पालिका बनाया जा सकता है। इसका प्रस्ताव शासन ने लगभग डेढ़ साल पहले फूलपुर सांसद रहीं केशरी देवी पटेल से मांगा था। उन्होंने प्रस्ताव शासन को भेज दिया। विधायक फूलपुर दीपक पटेल का कहना है कि फूलपुर नगर पंचायत को नगर पालिका बनाने के प्रस्ताव को शासन से मंजूरी मिल चुकी है। अब क्योंकि पंचायत चुनाव नजदीक है। अगले वर्ष प्रस्तावित चुनाव के लिए चक्रानुक्रम में परिसीमन अक्तूबर और नवंबर से शुरू कर दिया जाएगा। ऐसे में कुछ ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत में और नगर पालिका में शामिल किया जाएगा। जिससे एक बार चुनाव होने के बाद किसी प्रकार की समस्या फिर न हो। जिला पंचायत से जुड़े अफसरों का कहना है कि इसके साथ ही जारी, बड़ोखर, सोरांव व बरौत को भी नगर पंचायत बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है।

राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में ममता को तृतीय स्थान

प्रयागराज। राज्य स्तरीय निपुण टीचर क्विज प्रतियोगिता में प्रयागराज के प्राथमिक विद्यालय तेंदुआवन चाका की शिक्षिका ममता मिश्रा को राज्य में तृतीय एवं जिले में प्रथम स्थान मिला है। राज्य स्तरीय आयोजित उक्त क्विज में शिक्षाशास्त्र, भाषा एवं गणित की प्रश्नोत्तरी के आधार पर शिक्षकों का मूल्यांकन किया गया एवं प्राप्त अंकों के आधार पर शिक्षकों की प्रदेश स्तरीय रैंक का निर्धारण किया गया। उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महाराजगंज की प्रतिभा पटेल एवं द्वितीय स्थान पीलीभीत के वैभव ने प्राप्त किया, वहीं जनपद के ही सैदाबाद के आलोक शर्मा एवं चाका की राजश्री सिंह क्रमशः 11वें एवं 17वें स्थान पर रहे।

वर्तमान समय में भारत सरकार देश को निपुण राष्ट्र बनाने हेतु प्रयासरत है एवं इस दिशा में देश भर के शैक्षणिक संस्थानो में निपुण भारत मिशन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत बच्चों को अपेक्षित विषयों एवं योग्यताओं में दक्ष करने हेतु व्यापक शैक्षिक अभियान चलाये जा रहे हैं।

पांचवीं के शनि किंग और कक्षा तीन की खुशी बनीं क्वीन

प्रयागराज। प्राथमिक विद्यालय मुंगारी द्वितीय करछना की शिक्षिका वत्सला पाठक ने शुक्रवार से नया प्रयोग शुरू किया है। इसके तहत प्रतिदिन पूर्ण गणवेश वाले बच्चों में किंग और क्वीन का चयन किया जाएगा। प्रति माह क्लास में सर्वोत्तम रहने वाले बालक–बालिका को उपहार भी दिया जाएगा। पहले दिन कक्षा पांच से शनि सिंह को किंग और कक्षा तीन से खुशी को क्वीन उपाधि से नवाजा गया। सैशे पहनने के बाद दोनों बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

एक केंद्र से 10वीं-12वीं के 1200 प्राइवेट छात्र देंगे बोर्ड परीक्षा

प्रयागराज। यूपी बोर्ड ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के लिए व्यक्तिगत (प्राइइवेट) परीक्षार्थियों के पंजीकरण नियमों में बदलाव किया है। इस साल प्रत्येक पंजीकरण (अग्रसारण) केंद्र पर हाईस्कूल के 500 और इंटरमीडिएट के 700 कुल अधिकतम 1200 छात्र–छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। शासन के विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त की ओर से 29 जुलाई को जारी नीति के अनुसार अपरिहार्य स्थितियों में जिला विद्यालय निरीक्षक की संस्तुति पर मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक की अनुमति लेकर हाईस्कूल के अधिकतम 650 और इंटर के 850 छात्र–छात्राओं का पंजीकरण हो सकेगा। पिछले साल हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के क्रमशरू 400 और 600 कुल अधिकतम 1000 परीक्षार्थियों के पंजीकरण का नियम था और अपरिहार्य स्थितियों में यूपी बोर्ड से अनुमति लेने के बाद 10वीं में अधिकतम 600 और इंटर में 800 की सीमा तक छात्र–छात्राओं के पंजीकरण का नियम था। इस साल बोर्ड की बजाय जेडी के स्तर से ही अनुमति के बाद पंजीकरण की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा डीआईओएस कार्यालय को अग्रसारण अधिकारी (प्रधानाचार्य) से मिले व्यक्तिगत आवेदन पत्रों को क्षेत्रीय कार्यालय में जमा कराकर उसकी सूची छह साल तक सुरक्षित रखी जाएगी। क्षेत्रीय कार्यालयों को भी निर्देश दिए गए हैं कि आवेदन पत्रों की सूची छह साल सुरक्षित रखी जाए। पिछले साल डीआईओएस और क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर तीन साल तक ही आवेदन पत्रों को सुरक्षित रखने का नियम था।

मुज़फ्फरनगर के गायकों का सहारनपुर में जलवा

सलीम गौर व वेदप्रकाश बने विशिष्ट अतिथि

सहारनपुर। कला मंच द्वारा आयोजित मोहम्मद रफ़ी ओपन गायन प्रतियोगिता में का विशाल आयोजन राजमहल होटल सहारनपुर में एसकेएस न्यूज चौनल के सम्पादक पाशा खाँन द्वारा किया गया था और कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि की भूमिका फिल्म एक्टर प्रोड्यूसर डायरेक्टर सलीम गौर रहे जिसमें कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा और गायक मदन ढींगरा के नेतृत्व में गये 5

सदस्यीय टीम के गायक कलाकारों ने अपनी शानदार मधुर सुरीली गायकी से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार अपने नाम किया एक्टर सलीम गौर की फरमाइश पर वेदप्रकाश शर्मा ने गेस्ट कलाकार के रूप में ष्तारों में सजके अपने सूरज सेष गीत गाकर महफ़िल में समां बांध दिया वहीं मदनलाल ढींगरा ने ष्नखरे वालीष किशोर कुमार का गीत गाकर वाहवाही लूटी पुरूष वर्ग में मुजफ्फरनगर जानसठ के जय कुमार ने रफ़ी साहब का मशहूर गीत ष्पाम उठाने के लिए मैं तो जिएं जाऊंगाष्गाकर प्रथम पुरस्कार जीता वही भीमसेन ने चेहरा है या चाँद खिला गाकर द्वितीय पुरस्कार जीता और महिला वर्ग में गीता काकरान ने ष्तूने ओ रंगीले कैसा जादू कियाष गीत गाकर द्वितीय पुरस्कार अपने नाम किया, रविन्द्र कुमार एवं प्रवीण कुमार जी ने भी अपनी मधुर गायकी से दर्शकों को लुभाया इस शानदार जीत पर फिल्म एक्टर सलीम गौर ने सभी कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा बहुत जल्द रॉयल सिनेमा पर सम्मानित करने का आश्वासन दिया।

गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर काव्य गोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। श्रावण शुक्ल सप्तमी को तुलसी पीठ प्रयाग और रामायण मेला समिति प्रयाग के संयुक्त तत्वावधान में वेणीमाधव मन्दिर

प्रयाग के सभागार में सन्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की जयन्ती समारोह पूर्वक मनायी गयी। इस अवसर पर डा रामजी मिश्र के मुख्य आतिथ्य में एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। समारोह में नगर के गणमान्य नागरिक, साहित्यकार, पत्रकार उपस्थित रहे।

तुलसीदास जी एवं कथा सम्राट मुंशी प्रेमचन्द जी के पावन अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि

डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुमन सिंह और डॉ रेनू राय रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 5.30बजे से 7 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान के द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ मधु पाठक द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा इस आयोजन को सफल बनाया । डॉ पूनम श्रीवास्तव ने ष्तुलसी प्रेमचंद सबके अनंद दिहलें मन में सच्चिदानन्द दिहलें ना,डॉ रेनू राय ने ष्एहि सावन में पिया मोर बिदेस बा आवैक ना संदेस बा नाष, डॉ रीना श्रीवास्तव नेष्सावन का महीना बड़ा प्यारा है हमको लगे न्यारा है ना ष, डॉ सुमन सिंह ने ष्सत्यम शिवम सुंदरम के स्वामीष डॉ मधु पाठक ने कजरी ष्चला बान्हि आईं राखी सवनवां में भाई के भवनवां में नाष कविता का पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रीना श्रीवास्तव ने किया।

नवगीतकार अवध बिहारी श्रीवास्तव हुए सम्मानित

कानपुर। साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था मानसरोवर के तत्वावधान में आज दिनांक 1 अगस्त 2025 को नवगीतकार अवधबिहारी श्रीवास्तव के 91 वें जन्म दिन का आयोजन किया गया। उपस्थित विद्वानों ने कहा श्रीवास्तव जी के साहित्य में हिन्दी गीत के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता स आप देश लोकप्रिय नवगीतकार हैं ।आप गीत रचनाओंके माध्यम से अमिट छाप छोड़ने में सिद्धहस्त हैं स हल्दी के छापे,मण्डी चले कबीर,एवं शबस्ती के भीतरश काव्य कृतियों के रचनाकार श्रीवास्तव जी स्थानीय हैण्डलूम विभाग से अवकाश प्राप्त अधिकारी हैं। उनके कृष्णापुरम आवास पर नगर की साहित्यिक संस्था ष्मानसरोवरष द्वारा उनके साहित्यिक अवदान हेतु उनका सम्मान किया स

अपने सम्मान से अभिभूत अवध बिहारी ने कहा कि संस्था ने मुझे सम्मान देकर मुझ पर बोझ डाल दिया है स उन्होंने हिन्दी गीत को लेकर कहा कि गीत को जीकर लिखना चाहिए वही गीत श्रोताओ व पाठक के हृदय में स्थान बना पाता है।

मान सरोवर के शैलेन्द्र शर्मा द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवकुमार कुंवर ने तथा संचालन जयराम सिंह जय ने किया। इस अवसर पर बृजनाथ श्रीवास्तव, सतीश गुप्ता,हरीलाल मिलन,वाई के सिंह,डॉ मंजू श्रीवास्तव,डॉ अंजनी सरीन, डॉ अरुण तिवारी गोपाल,अक्षत व्योम,दीपक श्रीवास्तव,रंजना श्रीवास्तव,आदि ने श्रीवास्तव जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

जरा संभलकर,स्पीड रडार गन की नजरों में हैं तेजगति से चलाने वाले वाहन

स्पीड रडार गन के माध्यम से चालान की कार्रवाई शुरू, तेज स्पीड वाहन चलाया तो कटेगा चालान: यातायात प्रभारी इंदरजीत सिंह

मुजफ्फरनगर। दुर्घटनाओं में कमी लाने के कारण यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह व उनकी टीम भी गंभीर बनी हुई है और लोगों को जागरूक तो कर ही रही है साथ ही जीवन बचाने का काम भी बखूबी लगी हुई हैं।अब हाईवो की सड़कों पर तेज गति से वाहन दौड़ाने वाले अब संभल जाएं।ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है और इसके लिए स्पीड रडार गन का प्रयोग किया जा रहा है।इससे दूर से वाहन की रफ्तार को कैच किया जा सकता है और लिमिट से अधिक स्पीड होने पर चालान भी काटा जा रहा है। मुजफ्फरनगर ट्रैफिक पुलिस को हाल ही में स्पीड रडार गन से लैस किया गया है और इसका प्रयोग को जा रहा हैं। स्पीड रडार गन का प्रयोग खासकर हाइवे की सड़कों पर किया जा रहा है। स्पीड रडार गन की मदद से वाहन चालक को सबूत के तौर पर फ़ोटो व वीडियो भी दिखाया जा सकता है।यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने कहा कि स्पीड रडार गन के माध्यम से चालान की कार्रवाई शुरू कर दी गई है,ऐसे में वाहन चालकों को तय रफ्तार में ही वाहन चलाएं। इससे सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी,हाइवे की सड़कों पर वाहन चालक तेज वाहन चलाते हैं। ट्रैफिक पुलिस ऐसे स्पीड रडार गन से वाहनों की गति की जांच करेगी। गति अधिक होने पर उक्त वाहन का चालान काटा जाएगा।यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि रोजाना तेज गति से वाहन चलाने वालों का पीछा करना पुलिस के लिए संभव नहीं है क्योंकि पीछा करने पर हादसे भी हो सकता है।इससे निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने नया प्रयोग किया है।अब वाहनों सवारों को रोका नहीं जाएगा। स्पीड रडार गन उनकी निगरानी करेगी। इसकी रिकार्डिंग के बाद चालान या नोटिस घर पर भेजा जाएगा। यातायात प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने अपील की है कि यातायात के नियमों का पालन करें और हेल्मेट व सीटबेल्ट लगाकर चले तथा स्पीड का ख्याल भी रखें।

मोहम्मद रफी देश की धरोहर: मनीष चौधरी

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था ने स्वाधीनता चौक पर किया सामूहिक मासिक राष्ट्रगान

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष मनीष चौधरी के द्वारा शुक्रवार को सूजडू चुंगी स्वाधीनता चौक पर मासिक सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम का आयोजन किया। यह पार्श्वगायक मौहम्मद रफी को समर्पित किया गया और उनके गीत कर चले हम फिदा का गायन भी हुआ। मनीष चौधरी ने कहा कि मौहम्मद रफी देश की अमूल्य धरोहर हैं और उनका सम्मान हर वर्ग करता है।

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि संस्था लगातार सामूहिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए सामूहिक मासिक राष्ट्रगान कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। आवाज के जादूगर मौहम्मद रफी की पुण्यतिथि के कारण आज का यह राष्ट्रगान उनको समर्पित किया गया है। पूरी दुनिया में उनके करोड़ों समर्थक हैं और दिलों में उनका सम्मान है। यहां हमने समाज की सेवा करने के लिए कई लोगों को सम्मानित भी किया, सम्मान उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करता है। समाज में हमने धर्म और जाति से पहले देश की भावना जागृत करने के लिए ही यह अभियान शुरू किया है, जिसमें भरपूर प्यार मिल रहा है। इंजीनियर नफीस अहमद राणा ने कहा कि मनीष चौधरी देश की युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए बेहतर प्रयास कर रहा है। ऐसे कार्यक्रमों से राष्ट्रवाद के प्रति माहौल बनता है, इनका प्रयास सराहनीय है और इसके लिए ये कार्यक्रम पूरे देश में होने चाहिए। ये सभी धर्म जाति के लोगों को जोड़ रहे है, जो सबसे अच्छा प्रयास है। डॉ. तबस्सुम आरा ने कहा कि मैं भी संस्था का ही हिस्सा हूं, इस कार्यक्रम का केवल एक ही संदेश राष्ट्रीय ध्वज के साथ सभी धर्म, वर्ग और सम्प्रदाय एक हैं, देश अखंड बना रहे, यही हमारा प्रयास है। कार्यक्रम के दौरान सीएमओ के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित पीएचसी सूजडू के अधिकारी डॉ. सनव्वर, सूजडू चुंगी चौकी इंचार्ज एसआई रविन्द्र कुमार और न्यू लाइफ लाइन हॉस्पिटल मॉडल टाउन की डायरेक्टर डॉ. तबस्सुम आरा को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से केपी चौधरी, फैजुर रहमान, भारतवीर, जयदेव पंवार, रिजवान खान, जुल्फकार, दिलशाद, आसमीन, सुहाना, विक्की माही सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस आयोजन को सफल बनाने में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मेरठ प्रांत संयोजक फैजुर रहमान का विशेष सहयोग रहा

एनयूजे प्रयागराज ने हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित महामंत्री को दी बधाई

बार एसोसिएशन तथा पत्रकारों के बीच बेहतर सम्बंध स्थापित करूँगा : अखिलेश शर्मा बार महासचिव

अधिवक्ता तथा पत्रकारों के बीच बेहतर सम्बंध स्थापित करेगा एनयूजे: जिला अध्यक्ष एनयूजे

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित महासचिव अखिलेश शर्मा का एक रेस्तरां में बुके भेंटकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट प्रयागराज के जिलाध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव, प्रवक्ता मनीष द्विवेदी और संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला ने महासचिव को बुके भेंटकर स्वागत किया। सभी पदाधिकारियों ने नवनिर्वाचित महासचिव को बधाई देते हुए पत्रकारों और बार एसोसिएशन के मध्य बेहतर संबंध स्थापित करने का भरोसा दिलाया। स्वागत से अभिभूत नवनिर्वाचित महासचिव अखिलेश शर्मा ने चौंबर आवंटन को लेकर कहा कि जूनियर और सीनियर सभी अधिवक्ताओं को न्यू चौंबर आवंटित किया जाएगा। उन्होंने अधिवक्ताओं को विश्वास दिलाया कि चौंबर आवंटन पूरी पारदर्शिता के साथ होगा। कहा कि शुल्क के आभाव में किसी अधिवक्ता को चेम्बर्स न मिलें ऐसे में उनकी कार्यकारिणी विशेष ध्यान देगी।

कहा कि बार और बेंच के बीच सामंजस्य स्थापित करने का भी प्रयास किया जाएगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह उच्च न्यायालय इलाहाबाद में भी लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था लागू कराने का प्रयास उनकी कार्यकारिणी में किया जाएगा। मुकदमों के सूचीबद्धता में जो भी समस्याएं आ रही हैं, कार्यकारिणी शपथ लेने के बाद सबसे पहले मुख्य न्यायाधीश से मिलकर इसका निराकरण कराने का भी प्रयास करेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के भीतर अधिवक्ताओं की जो भी समस्याएं हैं उनका निराकरण कराना भी कार्यकारिणी की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव, ने कहाँ कि अधिवक्ताओ तथा पत्रकारो के बीच बेहतर सम्बंध स्थापित करने का कार्य करेगा एनयूजे प्रयागराज । कुन्दन श्रीवास्तव जिला अध्पक्ष प्रवक्ता मनीष द्विवेदी, संगठन मंत्री अखिलेश शुक्ला,आयुष श्रीवास्तश चित्रांशी यादव उपाध्यक्ष डॉ सुधाकर पान्डेय उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह मंत्री मंत्री मधु दरबारी, मीडिया प्रभारी सनी कुमार केसरवानी रामबाबू मंत्री, रंजीत निषाद,मंत्री यमुनापार प्रभारी मो नसीम खान, सह प्रभारी यमुनापार देवा श्रीवास्तव, सदस्य नफीस अहमद, अशरफ सिद्धकी,मनोज कुमार मो0 शकील अहमद शहनवाज अहमद औसाफ यूसूप शिवजी मालवीय, गौरव त्रिपाठी सदस्य राकेश पाल सत्यम निषाद आदि रहे।

दीक्षा आरंभ कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज। गंगानाथ झा परिसर में सम्पन्न हुआ दीक्षारम्भ कार्यक्रम, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गङ्गानाथ झा परिसर में आज दिनांक 01–08–2025 को दीक्षारम्भ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दीक्षारम्भ कार्यक्रम नवप्रवेशी छात्रों के शिक्षा प्रारम्भ करने के प्रथम दिन मनाया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सत्र 2024–25 के विद्यावारिधि एवं स्नातकोत्तर कक्षा में प्रविष्ट छात्रों के परिचय के साथ प्रारम्भ हुआ। ये सभी विद्यावारिधि छात्र भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित परिसरों में शोधकार्य कर रहे हैं, जिनका प्राक्शोधपाठ्यक्रम गङ्गानाथ झा परिसर में सम्पन्न होगा। कार्यक्रम का प्रारम्भ माता सरस्वती के चित्र पर छात्रों द्वारा पुष्पाञ्जालि एवं दीप प्रज्वलन के साथ सम्पन्न हुआ । केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली के शैक्षणिक निदेशक प्रो. मदनमोहन झा ने स्वागत उद्बोधन के साथ साथ छात्रों के कल्याण हेतु ंत्ळब्ए प्ब्ब् इत्यादि समितियों के बारे में बताया । लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा ने विश्वविद्यालय में किये जा रहे कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की कार्यकुशलता की प्रशंसा किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने आध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों के लिये सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, विद्या, देशभक्ति और आत्मत्याग आदि को अपनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों को देश में व्याप्त कालुष्य के नाश हेतु प्रेरित करते हुये एक सकारात्मक वातावरण के निर्माण का आह्वान किया। गङ्गानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने छात्रों के साथ संवाद करते हुये उन्हें शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम का समापन शान्ति मन्त्र और राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर परिसर समस्त शैक्षणिक अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

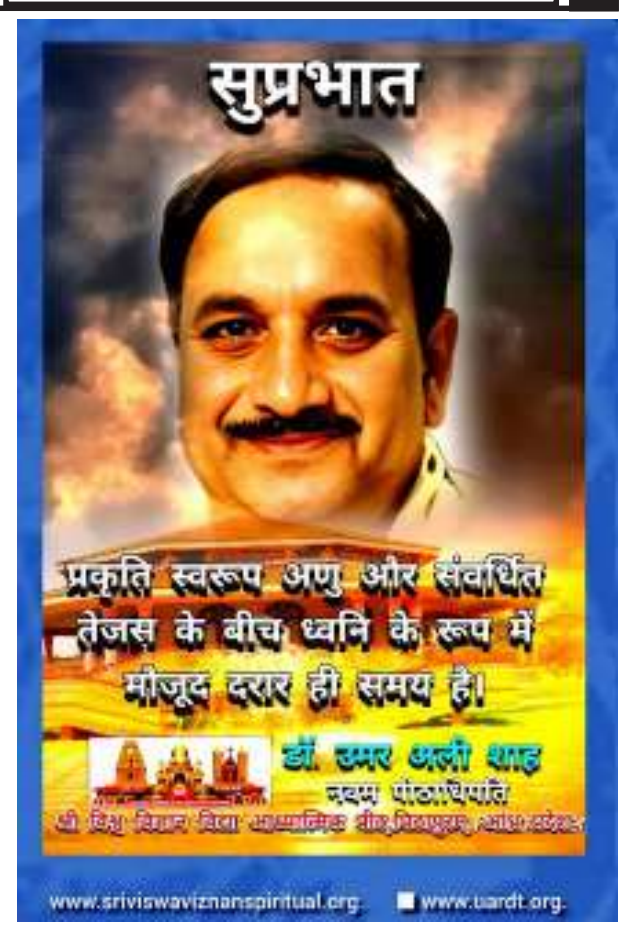

सावन की तस्वीर

(दोहे)

हर ऋतुओं के रंग का, मिले जहाँ आनन्द।
सावन कहते हैं उसे, शिव की प्रथम पसन्द।।

सावन में घन देखकर, नृत्य कर रहे मोर।
है अतीत की बात यह, दादुर करते शोर।

टर्र टर्र की आवाज़ से, सावन है महरूम।
मौसम को दोषी बता, मानव है मासूम।।

हिना बिखेरे रंग को, बरसे झम झम नीर।
झूला झलें नारियाँ,सावन की तस्वीर।।

अँखियाँ साजन से मिली, कजरी हुई जवान।
गीत गा रहीं चूड़ियाँ, गायब हुई थकान।।

बारिश की हर बूँद का, पढ़ प्यारे हर कथ्य।
जिसमें जीवन–प्रेम का, छिपा हुआ है सत्य।।

भीगी–भीगी सी हवा, लट से गिरती बूँद।
चाहत की दीवार से, करती दूर फफूँद।।

तन भीगा अच्छी तरह, मन की है शुरुआत।
बादल हैं आषाढ़ के, पहली है बरसात।।

संवादों के सार यदि, होंगे सदा समीप।
बारिश में बुझता नहीं, कभी प्रेम का दीप।।

बारिश में भीगी हवा,सोंधी मधुर मिठास।
नए गीत का कर सृजन,दिल में भरे सुवास।

बादल से होना अलग, कैसी है यह प्रीत।
बूँद –बूँद लिखने लगी, अनुपम चाहत गीत।।

बारिश भी जमकर हुई, बादल करते शोर।
तड़पन, टूटन, प्यार की, अद्भुत है यह भोर।।

नहीं दिखाई दे रहा,आज चाँद का ठाँव।
जिधर देखिये उस तरफ, हैं बादल के गाँव।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

योजनाबद्ध ढंग से पिठापुरम को हरा–भरा बनाया जाएगा: डा. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौंवे पीठाधिपति डॉक्टर उमर अली शाह ने कहा कि योजनाबद्ध ढंग से पिठापुरम को हरा–भरा नगर बनाया जाएगा। स्थानीय जग्गय्या चेरुवु आईसीडीएस क्षेत्र में, उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट के तत्वावधान में शुक्रवार को मेक ग्रीन पिठापुरम कार्यक्रम के दूसरे चरण की अध्यक्षता पीठाधिपति डॉक्टर उमर अली शाह ने की, जबकि पूर्व विधायक श्री एस.वी.एस. एन. वर्मा, नगर आयुक्त श्री कनका राव, अहमद अली शाह ने अतिथि के रूप में भाग लिया और

। मेरा पौधा,मेरी साँस नामक कार्यक्रम में भाग लिया और पौधे लगाने के भाषण दिया । पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने पिठापुरम को एक हरित क्षेत्र में बदलने के लिए सभी से हरित यज्ञ में भागीदार बनने का आह्वान किया। उन्होंने शहरवासियों और राजनीतिक नेताओं से 6 महीने तक चलने वाले इस वृक्षारोपण महायज्ञ में सहयोग करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री एस.वी.एस. एन. वर्मा ने कहा कि पिठापुरम में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ का होना पिठापुरमवासियों के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने पीठ के प्रमुख डॉ. उमर अली शाह की न केवल आध्यात्मिक सेवाएँ प्रदान करने के लिए, बल्कि उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम से कई सामाजिक सेवा कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए भी सराहना की। उन्होंने कहा कि हमें पौधों की तरह ही अपने बच्चों के पालन–पोषण में भी अधिक ध्यान देना चाहिए। आयुक्त श्री कनका राव ने कहा कि उमर अली शाह ट्रस्ट ने हाल ही में न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण किया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम के कर्मचारियों ने सड़क के दोनों ओर वृक्षारोपण के लिए मानचित्रण भी किया है। उन्होंने उमर अली शाह ट्रस्ट की सेवाओं की सराहना की। नगर निगम के फ्लोर लीडर श्री अल्लावरपु नागेश, अचम्पेटा के सरपंच श्री सलादी रमेश और अन्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और पौधे रोपे।

सम्पादकीय.....

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी–भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले–डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025–26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3. 2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है। आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततरू भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है। आर्थिक विशेषज्ञ कयास लगा रहे हैं कि मोदी की अमेरिका यात्रा में ट्रंप भारत से व्यापार असंतुलन दूर करने को कह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत अमेरिका से आधुनिक अस्त्र, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस तथा कृषि उत्पाद आयात बढ़ाकर टैरिफ युद्ध की छाया से बच सकता है। बाकी कुछ ट्रंप की प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करेगा। लेकिन साथ ही भारत को विश्व व्यापार संगठन के सभी देशों के लिए समान टैरिफ नियम का भी पालन करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य भी सामने हैं।

विपक्ष के आगे पस्त दिखे प्रधानमंत्री

डॉ. दीपक पाचपोर

सरकार ऐसा नहीं कर पाई, क्योंकि 22 अप्रैल के बड़े हमले के बावजूद उसकी दिलचस्पी इस मुद्दे पर सेना के किए कार्य का श्रेय लेने, सहानुभूति बटोरने और विपक्ष को घेरने में ज्यादा नजर आई।

सोमवार से संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरु हुई जो मंगलवार और बुधवार को भी जारी रही। लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों में इस विषय पर निस्संदेह विपक्ष ही सरकार पर हावी दिखा। जबकि सरकार के पास पूरा मौका था कि वह तथ्यों, आंकड़ों और पूरी जवाबदेही के साथ इस चर्चा में हिस्सा लेकर अपने अंक जनता के बीच बढ़वा लेती। सरकार ऐसा नहीं कर पाई, क्योंकि 22 अप्रैल के बड़े हमले के बावजूद उसकी दिलचस्पी इस मुद्दे पर सेना के किए कार्य का श्रेय लेने, सहानुभूति बटोरने और विपक्ष को घेरने में ज्यादा नजर आई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर भाषण दिया, तो उनकी तैयारी में कमी नजर आई। मंगलवार को ही प्रियंका गांधी और राहुल गांधी के भी भाषण हुए। दोनों के भाषण अलहदा थे, लेकिन एक जैसे शानदार थे। जहां प्रियंका गांधी के भाषण में दुख और भावुकता नजर आई, वहीं राहुल गांधी के भाषण में नए तरह की आक्रामकता दिखी। इसके साथ ही राहुल गांधी ने जिस तरह आतंकवाद के खतरों, युद्ध के बदलते तरीकों, विदेश नीति में विचलन और इन सबकी वजह से कमजोर पड़ते भारत की चिंता पर चर्चा की, उसके जवाब में नरेन्द्र मोदी ढंग की दो बात भी नहीं बोल पाए। राहुल गांधी पहले भी संसद में पाकिस्तान और चीन के एक साथ होने की चिंता व्यक्त कर चुके हैं, मंगलवार को फिर से उन्होंने इसे दोहराया और यह भी बता दिया कि पहले दुनिया के अन्य देश पाकिस्तान में आतंकवाद के पोषण पर चिंता व्यक्त करते थे, लेकिन पहलगाम हमले के बाद जिन देशों ने भारत के लिए दुख व्यक्त किया, उनमें से किसी ने पाकिस्तान की निंदा नहीं की। यानी अब भारत और पाकिस्तान को एक पलड़े पर तौला जाने लगा है, यह गंभीर चिंता का विषय है। युद्ध के बदलते तरीकों पर भी राहुल गांधी ने सरकार को आगाह किया कि अब केवल दो पक्षों में युद्ध नहीं होता है, कई छिपी हुई परतें होती हैं। नयी तकनीकी के साथ दुश्मन की तैयारी रहती है। इसे समझने की जरूरत है। राहुल गांधी ने सदन को यह भी याद दिलाया कि अमेरिका किस तरह हमारी उपेक्षा कर रहा है। हमले के बावजूद अमेरिका ने जनरल असीम मुनीर को लंच पर बुलाया। उन्होंने नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि यदि उनमें इंदिरा गांधी जैसी हिम्मत का जरा सा भी हिस्सा है तो वे इस सदन में डोनाल्ड ट्रंप को झूठा कहें और बताएं कि युद्धविराम उनकी मध्यस्थता से नहीं हुआ। जाहिर है नरेन्द्र मोदी ऐसा नहीं कर पाए। कई जानकारों का कहना है कि कूटनीति के अपने नियम होते हैं और किसी अन्य देश या नेता का नाम संसद में नहीं लिया जा सकता क्योंकि इससे देशहित जुड़े होते हैं। सामान्य परिस्थितियों में तो यह तर्क चल जाएगा। लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 30वीं बार वही दावा किया है कि युद्धविराम मैंने करवाया, तब क्या देशहित और सम्मान की खातिर प्रधानमंत्री को इस का खंडन नहीं करना चाहिए। अगर 10 मई को डोनाल्ड ट्रंप से पहले प्रधानमंत्री की तरफ से युद्धविराम की घोषणा हो जाती, तब शायद श्री मोदी ऐसा कर पाते। लेकिन हकीकत यही है कि देश को लड़ाई रुकने की जानकारी ट्रंप से ही मिली थी। मंगलवार को नरेन्द्र मोदी ने यह जरूर कहा कि हमें किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता मंजूर नहीं है और युद्धविराम के लिए किसी ने बीच–बचाव नहीं किया। लेकिन उन्हें फिर यह भी बताना चाहिए था कि डोनाल्ड ट्रंप ने जब उनसे पहले यह सूचना दुनिया को दी, क्या तब श्री मोदी ने कोई आपत्ति जताई थी कि अमेरिका ने हमारे देश के आंतरिक मामले में आधिकारिक बयान क्यों दिया। अमेरिका के अलावा चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ पर भी श्री मोदी ने कुछ नहीं कहा। क्योंकि अमित शाह की तरह उनका भी पूरा ध्यान कांग्रेस को घेरने में था। करीब सौ मिनट के भाषण में नरेन्द्र मोदी ने 14 बार तो पं.नेहरू का नाम ले लिया। हमला होते ही तुरंत जाकर मार देने को न्यू नार्मल बताया। रावण की याद दिलाने के लिए आतंकवाद की नाभि कहां है, जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। हमला हुआ, उसके फौरन बाद सऊदी अरब से लौटकर उन्होंने क्या किया यह बताया। लेकिन श्री मोदी यह नहीं बता पाए कि देश लौटते ही वे कश्मीर न जाकर बिहार क्यों गए। कांग्रेस ने सरकार से सवाल किए तो श्री मोदी ने आरोप लगा दिया कि कांग्रेस को सेना, एजेंसियों किसी पर भरोसा नहीं है। पहले दो कार्यकालों में तो नरेन्द्र मोदी का यह पैंतरा चल गया कि जब जिम्मेदारी उठाने की बारी आए तो सुई कांग्रेस की तरफ मोड़ दी जाए। लेकिन तीसरे कार्यकाल में इस चाल में भाजपा कब तक सफल हो पाएगी, ये देखना होगा। पहलगाम में शहीद हुए शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या द्विवेदी का प्रधानमंत्री के भाषण के बाद आया बयान बताता है कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। ऐशन्या द्विवेदी ने इस बात पर दुख जताया है कि प्रधानमंत्री के भाषण में पहलगाम पीड़ितों का जिक्र नहीं था, उनके दर्द नहीं थे। जबकि प्रियंका गांधी और राहुल गांधी का आभार उन्होंने जताया कि दोनों सांसदों ने पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की और बाकायदा नाम लिया। दरअसल प्रियंका गांधी ने बाकायदा पहलगाम के शिकार 26 लोगों का नाम लिया, इसमें भी भाजपा की ओछी राजनीति दिखी। क्योंकि जब प्रियंका नाम ले रही थीं तो सत्ता पक्ष की तरफ से हर नाम के बाद धर्म की याद दिलाते हुए हिंदू चिल्लाया गया, लेकिन प्रियंका गांधी ने सभी के नाम के साथ भारतीय कहते हुए बताया कि ये सब देश के नागरिक थे और इन्हें इंसाफ मिलना चाहिए।

राहुलः आज के साथ भविष्य के नागरिकों की चिंता

सर्वमित्रा सुरजन

राहुल गांधी पर एक बड़ी खबर मंगलवार को सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तरफ से हुई गोलीबारी से जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में भारी तबाही मची थी। कई निर्दोष नागरिकों ने इन हमलों में अपनी जान गंवाई थी। पाकिस्तान के हमले और मोदी सरकार की लापरवाही ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है, कई बच्चे अनाथ हो चुके हैं। राहुल गांधी ने अब ऐसे 22 बच्चों की पढ़ाई–लिखाई का पूरा जिम्मा उठाया है। जम्मू–कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने कहा है कि राहुल गांधी पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्चा उठाएंगे जिन्होंने अपने दोनों माता–पिता पाक गोलीबारी में गंवा दिए थे। इन बच्चों की पढ़ाई का खर्च राहुल गांधी तब तक उठाएंगे, जब तक ये स्नातक नहीं हो जाते। इसके अलावा अगर कोई बच्चा इंजीनियरिंग या मेडिकल जैसे प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश लेता है, तो उसमें भी खर्च का जिम्मा राहुल गांधी ही उठाएंगे। गौरतलब है कि दो महीने पहले मई में राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था। उन्होंने तब अपने स्थानीय नेताओं से अपील की थी कि वे प्रभावित बच्चों की एक सूची तैयार करें, जिन्हें वाकई मदद की जरूरत है। उसके बाद ही राज्य कांग्रेस इकाई ने सरकारी रिकॉर्ड्स खंगाल कर, सर्वे कर सूची तैयार की। बुधवार को इन बच्चों के लिए मदद की पहली किस्त जारी भी कर दी गई है। जब राहुल पुंछ गए थे, उस वक्त के बहुत से वीडियो सामने आए, जिनमें वे उजड़े मकानों में गए, गली–गली घूमकर उन्होंने पुंछ के स्थानीय लोगों से उनका दर्द और डर दोनों साझा किया था। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, स्कूल सब जगह पाकिस्तान ने हमले किए थे। आम लोगों को निशाना बनाया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर शुरु करने के साथ ही मोदी सरकार ने एहतियात बरती होती तो शायद मासूम लोगों की जान बचाई जा सकती थी। लेकिन सरकार ने सीमावर्ती इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर नहीं भेजा, जबकि संसद में प्रधानमंत्री मोदी ने ही दावा किया है कि 9 मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें आगाह किया था कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है। इसके जवाब में नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि अगर पाकिस्तान का ये इरादा है तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा और हम उससे भी बड़ा हमला करेंगे और उसका जवाब देंगे। किसी की धमकी में न आना अच्छी बात है, लेकिन पाकिस्तान को क्या महंगा पड़ेगा और क्या सस्ता, इस बारे में बात करने से बेहतर होता कि श्री मोदी इस बात की चिंता करते कि देश के लोगों की जान कैसे खतरे में पड़ चुकी थी। पहलगाम में असावधानी का नतीजा भुगतने के बावजूद सीमावर्ती इलाकों में फिर वही असावधानी सरकार ने दिखाई। जिसका खामियाजा आम नागरिकों ने भुगता। इसके बाद भी सरकार को अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने विदेशी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है और इसमें भारत को हुए नुकसान की खबरें गलत हैं, हमारा एक कांच भी नहीं टूटा है। ऐसा ही दावा गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद में किया कि मोदी सरकार जब से आई है जम्मू–कश्मीर के किसी नागरिक की जान हमले में नहीं गई है। देश का मीडिया सरकार का भोंपू बनकर ऐसी खबरों को इतना प्रचारित करता है कि लोग उसे ही सच मानने लगते हैं। लेकिन जो सामने घटा है, क्या उससे आंख मूंदी जा सकती है। अगर एक भी कांच नहीं टूटा या एक भी नागरिक की मौत नहीं हुई तो फिर राहुल गांधी के बाद खुद अमित शाह ने पुंछ का दौरा क्यों किया था। बहरहाल संसद में दो दिन तक जिस अंदाज में सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा चलाई उससे जाहिर हो गया कि पहलगाम घटना को भी श्री मोदी ने आपदा में अवसर की तरह ही लिया है। अपने प्रचार के लिए सेना की वर्दी पहनकर खुद के आदमकद पोस्टर नरेन्द्र मोदी ने देश भर में लगवाए, सिंदूर शब्द को लेकर बेतुकी बातें कीं, दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल को भेजने के लिए जनता के करोड़ों रूपए खर्च कर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर समेत इस पूरे प्रचार–प्रसार के लिए जितना सरकारी धन खर्च किया, उसका थोड़ा सा हिस्सा पहलगाम पीड़ितों या अनाथ बच्चों पर खर्च किया जा सकता है, ऐसा खयाल भाजपा या प्रधानमंत्री के जेहन में नहीं आया होगा, क्योंकि उनकी निगाह लोगों के दर्द से ज्यादा दर्द का सियासी लाभ लेने पर रहती है। लॉकडाउन के समय पीएम केयर्स फंड बना लिया, लेकिन उसका भी हिसाब–किताब देने में आनाकानी होती रही। ऐसा नहीं है कि इस देश में प्राकृतिक आपदाएं या आतंकी घटनाएं, युद्ध सब अभी हो रहे हैं, इन सबका सामना भारत ने पहले भी किया है। पहले भी सरकारों से आकलन में या हालात संभालने में गलतियां हुई हैं। लेकिन ऐसा दुस्साहस किसी ने नहीं किया कि जिन घटनाओं में मासूम नागरिक मारे जाएं, उन पर भी राजनैतिक रोटी सेंकी जाए। अभी यही सब हो रहा है और ऐसे में राहुल गांधी के परोपकार या मानवीयता दिखाने वाले फैसले नयी उम्मीद बंधाते हैं। जब निर्भया कांड हुआ था, तब पीड़िता के इलाज की पूरी व्यवस्था तत्कालीन सरकार ने की थी, लेकिन उसके बाद पीड़िता के परिवार की सुध लेने का काम निजी तौर पर राहुल गांधी ने किया, निर्भया के भाई के पायलट बनने के सपने को साकार किया। रामचेत मोची की दुकान पर राहुल रुके थे और उनके हालात को समझा था। कुछ ही दिनों में रामचेत की दुकान पर जूते सिलने की नयी मशीन आ गई, अब उनका काम इतना अच्छा चल रहा है कि उन्होंने दिल्ली आकर अपने हाथों से बनाए जूते राहुल को भेंट किए और कहा कि भईया के कारण जिंदगी बदल गई। हरियाणा में किसानों के साथ राहुल ने काम किया, उनके घर की महिलाओं के हाथ का भोजन किया, उन्होंने दिल्ली आने की इच्छा जतलाई तो बाकायदा दिल्ली बुलाया और एक महिला के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाया। अमेरिका में डंकी रूट से गए प्रवासी भारतीयों की तकलीफों को समझा, देश लौटकर उनके परिजनों से मिले, एक बच्चे की उसके पिता से बात करवाई। अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों से मिले, उन्हें लैपटॉप दिया। ये कुछ गिनती के उदाहरण हैं, जिनमें राहुल ने लोगों की मदद की है। कितने लोगों की मदद तो राहुल गांधी ने चुपचाप की होगी, इसका पता भी नहीं, क्योंकि उनकी खबरें बाहर नहीं आईं। अनुभवी लोग कहते हैं दर्द बांटने से कम होता है, खुशी बांटने से बढ़ती है। राहुल गांधी इस समय राजनीति के साथ–साथ मानवता की ऐसी ही मिसाल कायम करते जा रहे हैं। जब मई में राहुल गांधी पुंछ गए थे तो वे उस क्राइस्ट पब्लिक स्कूल भी गए थे, जहां पढ़ने वाले 12 साल के जुड़वां बच्चे उर्बा फातिमा और जैन अल की पाक हमलों में मौत हो गई थी। इन बच्चों के दोस्तो, सहपाठियों और बाकी बच्चों को अपने दो साथियों की अकाल मौत पर कैसा महसूस हो रहा होगा, इस पीड़ा को राहुल गांधी ने समझा। उन्होंने वहां बच्चों को हौसला बंधाया कि अभी सब ठीक नहीं है, लेकिन धीरे–धीरे सब ठीक हो जाएगा। राहुल गांधी ने बच्चों से कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए आपका एक ही तरीका होना चाहिए। खूब मन लगाकर पढ़ाई करें, जी भर कर खेलें और खूब सारे नए दोस्त बनाएं। आज के वक्त में बाल मनोविज्ञान को समझ कर युद्ध जैसे कठिन हालात में बच्चों को हौसला और उम्मीद बनाए रखने की सीख देना और इस तरह उन्हें सांत्वना देना कि मन में कड़वाहट बिल्कुल न आए, जब वे बड़े हों तो नफरत की जगह मोहब्बत से बात करना सीखें, ऐसा करने वाले लोग बिरले ही हैं। राजनीति में तो ऐसे लोग और कम हो चुके हैं। लेकिन अच्छा है कि राहुल गांधी आज के साथ–साथ भविष्य के नागरिकों की भी सुध ले रहे हैं।

प्राकृतिक व जैविक खेती ही समाधान

राज कुमार सिन्हा

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सेवा–निवृत्ति के बाद प्राकृतिक खेती करने की योजना जलवायु परिवर्तन के लिहाज से खासी महत्वपूर्ण है। प्राकृतिक और जैविक खेती ऐसी कृषि पद्धति है जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना उत्पादन बढ़ा सकती है। प्राकृतिक खेती से कार्बन उत्सर्जन में 35फीसदी से 50फीसदी तक की कमी आ सकती है। प्राकृतिक खेती, जिसे नो–इनपुट या जीरो–बजट खेती कहा जाता है, बाहरी इनपुट (जैसे उर्वरक, कीटनाशक, यहां तक कि खाद) के उपयोग को कम या खत्म करने पर जोर देती है और इसकी बजाय प्राकृतिक प्रक्रियाओं, जैसे कि मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और केंचुओं द्वारा कार्बनिक पदार्थों के अपघटन को प्रोत्साहित करती है। जुताई (मिट्टी को जोतना) से बचने वाली प्राकृतिक खेती को आमतौर पर कम लागत वाली कृषि माना जाता है, क्योंकि इसमें बाहरी इनपुट की आवश्यकता नहीं होती। जैविक खेती को आमतौर पर प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है, जबकि प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाणीकरण आवश्यक नहीं है। प्राकृतिक खेती एक ऐसा व्यापक दृष्टिकोण है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं पर निर्भर करता है, जबकि जैविक खेती एक विशिष्ट प्रणाली है जो जैविक इनपुट पर जोर देती है। प्राकृतिक खेती मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों को बढ़ाकर, मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार करती है और कार्बन डाइऑक्साइड को वातावरण से हटाकर मिट्टी में जमा करती है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बंद करने से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में मदद होती है। प्राकृतिक खेती में मिट्टी की जल–धारण क्षमता में सुधार होता है, जिससे जल–संरक्षण होता है और सूखे और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाओं के प्रति लचीलापन बढ़ता है। प्राकृ तिक खेती जैव–विविधता को बढ़ावा देती है और जलवायु परिवर्तन के प्रति फसलों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। विभिन्न प्रकार की फसलों को उगाना, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। हजारों वर्षों के अनुभव से विकसित हुई वर्षा आधारित स्थायी या टिकाऊ खेती का विज्ञान मूलतः पुनर्चक्रण से जुड़घ हुआ है। प्राकृतिक खेती पर हुए शोध दर्शाते हैं कि इस विधि से विपरीत परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। इस विधि से उगाई फसलें सूखे, अतिवर्षा में भी खड़ी रहती हैं। मिश्रित खेती अपनाने से एक ही खेत में कई फसलें ली जा सकती हैं जिससे किसान को नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस खेती में पानी की खपत बाकी विधियों के मुकाबले 40 प्रतिशत तक कम है और इसमें फसल सुरक्षा के लिए स्थानीय वनस्पतियों को ही प्रयोग किया जाता है। कृषि ग्रीनहाउस गैसों का एक प्रमुख स्रोत है जिससे भविष्य में खाद्य–सुरक्षा के लिए चुनौती उत्पन्न होने की संभावना है। जल के बढ़ते उपयोग और सूखे के कारण उत्पादन के लिए पानी की कमी हो सकती है। वैश्विक खाद्य–सुरक्षा पर्याप्त खाद्य–उत्पादन और खाद्य–पहुंच, दोनों पर निर्भर करती है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की आम सहमति है कि 1950 से अब तक जलवायु में व्यापक परिवर्तन हो चुका है और इस सदी के उत्तरार्ध में वैश्विक औसत तापमान में 0.4 से 2.6एष्ट की वृद्धि होने की संभावना है। तापमान और कार्बन डाइऑक्साइड में क्रमिक वृद्धि के परिणामस्वरूप कुछ फसलों की पैदावार बढ़ाने वाली अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन कुछ क्षेत्रों में फूल आने के दौरान होने वाली चरम घटनाओं, विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी और सूखे के कारण यह संभावित वृद्धि सीमित हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण 21वीं सदी में फसल उत्पादन में कमी आने का अनुमान है। जलवायु परिवर्तन वैश्विक कृषि व्यवस्था पर वृहद प्रभाव डालता है। दूसरी ओर, कीटनाशकों के प्रयोग से भूजल और पर्यावरण में जहर घुल रहा है। पृथ्वी में पाए जाने वाले मित्र कीट खत्म हो रहे हैं। खेती में रासायनिक खाद का इस्तेमाल होने से मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो गया है। इस अनाज के सेवन से कैंसर, रक्तचाप और अन्य बीमारियों के खतरे बढ़ गए हैं। भारत सरकार ने वित्त–वर्ष 2025–26 में उर्वरक सब्सिडी के लिए 1. 67 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट निर्धारित किया है, जो भारत के कृषि बजट का लगभग 70 फीसदी है। भारतीय कृषि के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है–1967–68 में शुरू हुई हरित क्रांति। इसकी मुख्य बात थी– सिंचाई की गारंटी के साथ अधिक फसल वाले बीजों, अधिक उर्वरक और कीटनाशकों का इस्तेमाल। हरित क्रांति के कारण देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर तो हो पाया, लेकिन 1980 के दशक से हरित क्रांति भी संकट में फंस गई। खेती में बढ़ती लागत के कारण किसान कर्ज के दलदल में फंसकर आत्महत्या करने को विवश हो गए। इस दलदल से किसानों को निकालने के लिए भी गृहमंत्री का ताजा सुझाव महत्वपूर्ण है। डाउन टू अर्थ पत्रिका के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण भारत ने एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 के 366 में से 322 दिनों में चरम मौसमी घटनाओं का सामना किया है। इन घटनाओं में 3,472 लोगों की जानें गईं और 40. 7 लाख हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को नुक्सान पहुंचा। सरकार की ओर से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिहाज से किसानों को रसायन मुक्त कृषि के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि में स्थिरता बनाए रखने के लिए किसानों को श्जैविक खेतीश जैसी टिकाऊ प्रणालियों को अपनाना चाहिए। भारत में लगभग 14 करोड़ हेक्टेयर भूमि पर खेती की जाती है, जिसमें से लगभग 65 लाख हेक्टेयर में जैविक खेती होती है। मध्यप्रदेश में अब जैविक खेती का विस्तार कर इसे 17 लाख हेक्टेयर से 20 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। किसान एवं कृषि कल्याण विभाग के अनुसार मध्यप्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख टन जैविक उत्पाद तैयार हो रहा है। इसमें पांच लाख टन से अधिक जैविक उत्पाद निर्यात किया जाता है। भारत में जैविक उत्पादों की मांग और उत्पादन दोनों में वृद्धि हो रही है। भारतीय जैविक बाजार 16,800 करोड़ रुपये का है। मध्यप्रदेश के मंडला, डिण्डोरी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, बैतूल, कटनी, उमरिया, अनूपपुर जिलों में श्जैविक खेतीश प्रमुखता से की जा रही है। भारत के जैविक खाद्यान्न का एक बड़ा हिस्सा छोटे और सीमांत किसानों द्वारा उत्पादित किया जाता है। इनमें से कई किसानों के लिए, श्जैविक खेतीश लागत कम करते हुए अपनी आजीविका में सुधार लाने का एक जरिया बन गई है। हमारे नीति निर्धारकों का दायित्व है कि वे किसानों को केन्द्र में रखकर, कृषि पारिस्थितिकी वाले तरीकों पर ध्यान दें जो देश के लिए टिकाऊ खाद्य–सुरक्षा और किसानों के लिए आजीविका सुनिश्चित कर सकें।

असम की मशहूर एक्ट्रेस नंदिनी कश्यप को 25 जुलाई को गुवाहाटी में हुए हिट एंड रन के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस दुर्घटना में नलबारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के 21 वर्षीय छात्र समीउल हक की मौत हो गई थी। पुलिस ने बुधवार, 30 जुलाई को गुवाहाटी से नंदिनी कश्यप को गिरफ्तार किया और उन्हें कोर्ट में पेश करने के लिए ले जाया गया।यह घटना 25 जुलाई की रात गुवाहाटी के ओदलबक्रा इलाके में हुई थी। उस रात समीउल हक गुवाहाटी नगर निगम में नाइट शिफ्ट में कार्यरत थे और स्ट्रीटलाइट ठीक करने का काम कर रहे थे। अचानक एक तेज रफ्तार बोलेरो एसयूवी ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस का दावा है कि यह एसयूवी नंदिनी कश्यप चला रही थीं। हादसे के बाद, आरोपी वाहन मौके से भाग निकला, जबकि समीउल को गंभीर चोटें आईं। समीउल के साथी कर्मचारियों ने उन्हें तुरंत गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, लेकिन उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अपोलो अस्पताल में भेजा गया। चार दिनों तक इलाज के बाद, 29 जुलाई को समीउल की मौत हो गई। इस मामले में 26 जुलाई को समीउल के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद नंदिनी कश्यप को पूछताछ के लिए बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक, कश्यप के खिलाफ आरोप लगाए गए थे कि वह नशे की हालत में थी, हालांकि इसका कोई पक्का प्रमाण नहीं मिल सका क्योंकि मामले की सूचना एक दिन बाद मिली।एक चश्मदीद ने दावा किया कि वाहन बहुत तेज गति से आ रहा था और उसे टक्कर मारने के बाद भी वाहन नहीं रुका। समीउल को सिर में गहरी चोटें आईं और उनके शरीर में कई फ्रैक्चर हो गए। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी नगर निगम के कर्मचारियों ने वाहन का पीछा किया और वह काहिलीपारा के एक काम्प्लेक्स तक पहुंचे, जहां नंदिनी कश्यप ने अपनी गाड़ी छुपाने की कोशिश की। वहां खड़े हुए लोगों को उसने वीडियो बनाने से मना किया और उन्हें धमकी दी। गुवाहाटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से नंदिनी कश्यप की दो गाड़ियों को जब्त किया है। इन गाड़ियों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस ने नंदिनी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में हिट एंड रन से मौत की सजा, नशे में गाड़ी चलाने और वाहन छुपाने की धाराएं शामिल हैं। समीउल हक के परिवार का आरोप है कि नंदिनी कश्यप ने उनकी मदद नहीं की, जबकि उसने वादा किया था कि वह समीउल के इलाज का खर्च उठाएगी। समीउल की मां ने अपना दुख व्यक्त करते हुए कहा, हम अपने बेटे के लिए न्याय चाहते हैं। वह (नंदिनी) एक बार भी हमारे बेटे से मिलने नहीं आई। हमें मदद की जरूरत थी, लेकिन उसने हमें अकेला छोड़ दिया।

'सुपर डांसर चैप्टर 5': अप्सरा की मां से मुलाकात वाला पल देख शिवांगी जोशी हुई इमोशनल

एक्ट्रेस शिवांगी जोशी, जो इन दिनों बड़े अच्छे लगते हैं 4 में नजर आ रही हैं, ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया। ये वीडियो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के पॉपुलर डांस रियलिटी शो सुपर डांसर चौप्टर 5 से था। इस क्लिप में नन्हीं कंटेस्टेंट अप्सरा बोरों नजर आई, जिनके मासूम सपने और खुशी से भरे डांस ने सबका दिल जीत लिया है। इस पल को और भी खास बना दिया जब शो में अप्सरा की अपनी मां से भावुक मुलाकात हुई। शिवांगी जोशी इस लम्हे से काफी भावुक हो गईं और उन्होंने अपनी फीलिंग्स एक प्यारे मैसेज के जरिए शेयर की। उन्होंने लिखा, ये मेरे दिल को छू गया छोटी अप्सरा, जो इतनी मासूमियत से सपने देखती है और खुशी–खुशी नाचती है, आखिरकार अपनी मां के साथ कुछ वक्त बिता पाई। मां के हाथों से खाना खाना, उनके हाथों से बाल संवारना,,, ये छोटी–छोटी चीजें उसके चेहरे पर सबसे प्यारी मुस्कान ले आईं, और हमारी आंखों में आंसू।" अप्सरा की मां, जो खेतों में रोज मजदूरी करती हैं, मंच पर अपनी बेटी के साथ उतरीं शांत लेकिन गर्व से भरी हुई। उस पल में मां का वो बेपनाह प्यार और ताकत झलक रही थी, जो सिर्फ एक मां ही दे सकती है। शिवांगी ने लिखा, "उसकी मां उसके साथ मंच पर खड़ी थी, सिर्फ गर्व के साथ नहीं, बल्कि उस प्यार और ताकत के साथ जो सिर्फ एक मां दे सकती है। इस शो की वजह से अप्सरा को अपनी मां के साथ ये छोटे लेकिन सबसे कीमती पल मिल पा रहे हैं३ और यही इस सफर को इतना खास बना देता है।" शिवांगी ने मां और बच्चे के बीच के रिश्ते को लेकर भी अपनी बात कही। उन्होंने इस बंधन को नर्म, मजबूत और बिना कहे समझे जाने वाले प्यार से भरा बताया। उन्होंने अपनी बात का अंत अप्सरा के लिए एक प्यारी शुभकामना के साथ किया "तुम एक छोटी सी चमकती हुई स्टार हो, और मैं दुआ करती हूं कि तुम्हारी मम्मा हमेशा तुम्हें यूं ही चमकते हुए देखती रहें।"अप्सरा की कहानी अब सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रही है। ये हमें याद दिला रही है कि प्यार के छोटे–छोटे काम जैसे खाना खिलाना, बाल बनाना या सिर्फ मां का साथ होना दिल को छू जाने वाले बड़े पल बना सकते हैं। शिवांगी की पोस्ट ने अप्सरा को और भी ज्यादा प्यार और हिम्मत दी है। अप्सरा एक छोटी सी चमकती हुई बच्ची है, और उसका सफर अब शुरू हुआ है। देखिए सुपर डांसर चौप्टर 5 हर शनिवार और रविवार रात 8 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनू लिव पर।

पहली बार साथ आए, आमिर खान और बेटे जुनैद ने रीक्रिएट किया अंदाज अपना–अपना का सीन

सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन के बाद, 2007 की सुपरहिट फिल्म तारे जमीन पर का आध्यात्मिक सीक्वल, सितारे जमीन पर एक अनोखा मोड़ ले रहा है। आमिर खान 1 अगस्त 2025 से सिर्फ 100 की कीमत पर, इस फिल्म को एक्सक्लूसिव तौर पर ल्वनज्नइम पर रिलीज करके दर्शकों के लिए मनोरंजन का जरिया बन रहे हैं। इस शानदार अपडेट ने प्रशंसकों को रोमांचित कर दिया है, और इसे और भी खास बनाने के लिए, आमिर खान अपने बेटों जुनैद खान और आजाद खान के साथ मिलकर अंदाज अपना अपना की एक मजेदार पैरोडी के साथ फिल्म की ल्वनज्नइम रिलीज की घोषणा कर रहे हैं। सितारे जमीन पर के यूट्यूब रिलीज की घोषणा करने वाला प्रोमो रिलीज हो गया है, और आमिर खान ने इसे एक मजेदार मोड़ दिया है। निर्माता–निर्देशक राजकुमार संतोषी के साथ, इस प्रोमो में आमिर खान और उनके बेटे जुनैद खान पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आ रहे हैं। पिता–पुत्र की यह जोड़ी कल्ट क्लासिक फिल्म अंदाज अपना अपना के यादगार पलों को फिर से जीवंत करके एक अनोखी और मनोरंजक घोषणा करती है। चूँकि प्रोमो में आमिर खान के बेटे आजाद खान भी नजर आ रहे हैं, इसलिए यह वाकई एक दिलचस्प और पहले कभी न देखा गया अंदाज है। आमिर खान के साथ काम करने पर, फीवर फिल्म्स के निर्देशक वैभव बंधू ने कहा, फीवर फिल्म्स में, एक विज्ञापन प्रोडक्शन हाउस का लक्ष्य क्रिएटिव एजेंसियों और ब्रांड क्लाइंट्स से आने वाली बेहतरीन कहानियों को मूर्त रूप देना होता है। इस विज्ञापन फिल्म का निर्देशन करना किसी सपने के सच होने जैसा था, क्योंकि मुझे दिग्गज आमिर खान के साथ काम करने का मौका मिला, साथ ही अंदाज अपना अपना का एक पसंदीदा संदर्भ भी मिला और विज्ञापन फिल्म में हम जो उत्पाद बेच रहे हैं, वह अपने आप में एक कहानी है। फीवर फिल्म्स एक नए जमाने का विज्ञापन फिल्म प्रोडक्शन हाउस है, जो क्रिएटिव एजेंसियों और ग्राहकों के लिए विज्ञापन फिल्में बनाता और बनाता है। यह कॉपीराइटर्स के साथ मिलकर काम करने में विश्वास रखता है ताकि उनकी कल्पनाओं को दिल को छू लेने वाले अंदाज में जीवंत किया जा सके। उनके पास भारत के कुछ बेहतरीन कहानीकार निर्देशक हैं और उन्होंने अमिताभ बच्चन और आमिर खान के साथ विज्ञापन फिल्में भी बनाई हैं। इस प्रोमो की संकल्पना, निर्माण और क्रियान्वयन फीवर फिल्म्स द्वारा किया गया है। अपने आकर्षक और हास्यपूर्ण लहजे के साथ, यह प्रोमो सदाबहार कॉमेडी क्लासिक श्अंदाज अपना अपनाश को एक आदर्श श्रद्धांजलि देता है।

दिवंगत एक्स पति संजय की संपत्ति पर हो रहे विवाद के बीच बच्चों संग एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई करिश्मा

एक्ट्रेस करिश्मा कपूर इन दिनों अपने दिवंगत पूर्व पति संजय कपूर की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रहे कानूनी विवाद को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। वहीं, इसी बीच एक्ट्रेस अपने बच्चों समायरा कपूर और कियान कपूर के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर नजर आईं। इस दौरान एक्ट्रेस बड़ी सादगी में नजर आईं, जहां से उनका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लुक की बात करें तो इस दौरान करिश्मा का बेहद कूल लुक देखने को मिला। उन्होंने एक ओवरसाइज्ड व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक टाइट्स पहनी। लाइट मेकअप, ब्लैक सनग्लासेस और खुले बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को पूरा किया, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहे हैं। करिश्मा की बेटी समायरा, जो मीडिया की चकाचौंध से दूर पली–बढ़ी हैं, ने भी एक साधारण ब्लैक ड्रेस पहनी। वहीं, उनके छोटे बेटे कियान कपूर व्हाइट पोलो टी–शर्ट और जॉगर्स में कंफर्टेबल लुक में नजर आए। यह घटनाक्रम उस समय हो रहा है जब करिश्मा के पूर्व पति संजय कपूर की विशाल संपत्ति को लेकर कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। संजय कपूर का इस साल जून में निधन हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय का निधन पोलो मैच के दौरान हुआ, जब वह एक मधुमक्खी निगलने के बाद दिल का दौरा पड़ने से बेहोश हो गए थे। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में ही किया गया था। संजय कपूर के निधन के बाद, उनकी विशाल संपत्ति को लेकर विवाद शुरू हो गया है। हाल ही में, संजय की मां रानी कपूर ने कुछ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने एएनआई से बात करते हुए कहा कि उन्हें अभी तक यह पता नहीं चल पाया कि उनके बेटे की मौत कैसे हुई और इस बारे में उन्होंने संदेह भी व्यक्त किया। रानी कपूर ने यह भी दावा किया कि उन्हें दबाव में आकर दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया, विशेष रूप से तब जब संजय की विधवा प्रिया सचदेव को परिवार की ऑटो पार्ट्स कंपनी सोना कॉमस्टार में गैर–कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया था। रानी कपूर ने कहा, मुझे अभी भी नहीं पता कि मेरे बेटे के साथ क्या हुआ। मैं अब बूढ़ी हो गई हूं, और जाने से पहले मुझे सब कुछ ठीक करना होगा। हमारी पारिवारिक विरासत को खोना नहीं चाहिए, इसे वैसे ही आगे बढ़ाया जाना चाहिए जैसे मेरे पति हमेशा चाहते थे। करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी 2003 में हुई थी और यह रिश्ता 2016 तक चला। हालांकि, करिश्मा ने अपने पूर्व पति के निजी और वित्तीय मामलों पर बहुत कम बयान दिए हैं।

क्या विक्की कौशल बनने वाले हैं पापा? ओवरसाइज्ड ड्रेस में बेबी बंप छुपाती नजर आई कैटरीना कैफ

बॉलीवुड के पावर कपल कैटरीना कैफ और विक्की कौशल ने एक बार फिर इंटरनेट का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। इस बार अपने रोमांस के लिए नहीं बल्कि अपने वायरल वीडियो को लेकर चर्चा में हैं। कैटरीना के नए लुक को देखकर लोग एक बार फिर उनकी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरु कर दिए हैं। दरअसल अपनी सादगी भरी उपस्थिति और गहरे रिश्ते के लिए मशहूर इस जोड़ी को मुंबई के एक फेरी पोर्ट की ओर जाते देखा गया, जो कथित तौर पर छुट्टियां मनाने अलीबाग जा रहे थे। वीडियो में विक्की कौशल ऑफ–व्हाइट शर्ट, ब्लू जींस और कैप में काफी स्मार्ट नजर आए। वहीं, कैटरीना कैफ ने अपने ढीले–ढाले सफेद शर्ट और मैचिंग ट्राउजर से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उनके आरामदायक कपड़ों और सावधानी से चलने की वजह से प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ गई, कई लोगों को लगा कि शायद वह अपना बेबी बंप छिपा रही हैं। हालांकि इस क्लिप को एक थ्रोबैक क्लिप माना जा रहा है, लेकिन इसने ऑनलाइन अटकलों को जन्म दे दिया। सोशल मीडिया पर तुरंत ही कमेंट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा–कैट प्रेग्नेंट लग रही हैं...उम्मीद है ,ह । जबकि दूसरे ने लिखा– दुआ करता हूं कि उनके लिए भी जल्द ही कोई अच्छी खबर आए। उनके ओवरसाइज्ड कपड़े, उनका अलग लुक और उनकी चाल। एक यूजर ने कहा–स्वामी जी उन्हें जुड़वां बच्चे दें। यह पहली बार नहीं है जब ऐसी अफवाहें फैली हों। इससे पहले मार्च में, कैटरीना और विक्की निर्देशक करिश्मा कोहली की शादी के रिसेप्शन में नजर आने के बाद सुर्खियों में आए थे, जहां कैटरीना ने विक्की के नाम के पहले अक्षर का एक अस्थायी टैटू बनवाया था, एक स्नेहपूर्ण इशारा जिसने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अब, महीनों बाद, यह जोड़ी एक बार फिर प्रशंसकों की अटकलों के केंद्र में है।

गर्मियों क्यों जल्दी हो जाता है सर्दी-जुकाम? जानें कैसे करें बचाव

गर्मियों में भी सर्दी–जुकाम जैसी समस्याएं हो सकती हैं, और इनसे बचने के लिए हमें सावधानी बरतनी होती है। अगर आप गर्मी में सर्दी या ठंड लगने के लक्षण महसूस कर रहे हैं, तो यह जानना जरूरी है कि इसके क्या कारण हो सकते हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है। इस लेख में हम गर्मियों में सर्दी–जुकाम के लक्षणों और इससे बचाव के आसान उपायों पर चर्चा करेंगे।

गर्मियों में अचानक सर्दी–जुकाम या ठंड लगने के लक्षण और इसके बचाव के उपाय निम्नलिखित हैं

गर्मियों में सर्दी–जुकाम के लक्षण

1. गले में खराश
2. बुखार
3. सर्दी–खांसी
4. सिरदर्द
5. थकावट और कमजोरी
6. पानी की कमी

बचाव के उपाय

हाइजीन बनाए रखें

– हाथों को नियमित रूप से साबुन और पानी से धोएं।

– पब्लिक स्थानों पर जाने के बाद और खाना खाने से पहले हाथ धोएं।

पर्याप्त हाइड्रेशन

– गर्मियों में पानी, नारियल पानी, और ताजे रस पीकर शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

– निर्जलीकरण से बचने के लिए खूब पानी पीएं।

स्वस्थ आहार

– संतुलित आहार लें, जिसमें फल, सब्जियाँ, और प्रोटीन शामिल हों।

– विटामिन सी युक्त खाद्य पदार्थ जैसे संतरे, नींबू, और अमरूद का सेवन करें।

स्वच्छता का ध्यान रखें

– घरेलू वस्त्र और बिस्तर को नियमित रूप से धोएं और साफ रखें।

– वेंटिलेशन अच्छा रखें ताकि हवा में नमी न रहे।

सर्दी–खांसी से बचाव

– भीड़भाड़ वाले स्थानों से दूर रहें जहां संक्रमण फैलने का खतरा अधिक हो।

– किसी को सर्दी या खांसी हो तो उनसे दूर रहें और मास्क का उपयोग करें।

कूलिंग प्रोडक्ट्स का उपयोग

– यदि एयर कंडीशनर या कूलर का उपयोग कर रहे हैं, तो कमरे में सही तापमान बनाए रखें।

– तेज ठंडे वातावरण से बचें और गर्म कपड़े पहनें।

मास्क का प्रयोग

– सार्वजनिक स्थानों पर जाने के समय मास्क पहनें ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम हो।

स्वास्थ्य की निगरानी

– अगर लक्षण लंबे समय तक बने रहें या बिगड़ें, तो डॉक्टर से सलाह लें।

इन उपायों को अपनाकर आप गर्मियों में भी सर्दी–जुकाम से बच सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

मलेरिया होने पर शरीर दिखाता है ये संकेत, न करें नजरअंदाज

मलेरिया एक गंभीर और कभी–कभी जानलेवा बीमारी है जो परजीवियों के कारण होती है। यह परजीवी संक्रमित एनोफिलीज मच्छरों के काटने से इंसानों में पहुंचते हैं। यहां मलेरिया के लक्षण, कारण और रोकथाम के उपायों की जानकारी हम आपको बताएंगे जिससे आप समय रहते इसे पहचान कर इलाज कर सकते हैं।

बुखारः तेज बुखार जो मलेरिया का प्रमुख लक्षण है।

ठंड लगनाः बुखार और ठंड लगना एक साथ होता है।

सिरदर्दः तीव्र सिरदर्द।

पसीना आनाः बुखार के बाद अत्यधिक पसीना आना।

थकावटः असामान्य थकान या कमजोरी महसूस होना।

पेशियों और जोड़ों में दर्दः मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द।

मतली और उल्टीः पेट में दर्द और कभी–कभी उल्टी।

खून की कमीः लाल रक्त कोशिकाओं के नष्ट होने के कारण कमजोरी और पीलापन।

पीलियाः त्वचा और आंखों का पीला होना।

लक्षण आमतौर पर मच्छर के काटने के 10–15 दिन बाद दिखते हैं, लेकिन यह समय भिन्न हो सकता है।

रोकथाम

मलेरिया से बचाव के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:

मच्छरों से बचाव

– कीटाणुनाशक का उपयोगः अपनी त्वचा पर DEET, पिकारिडिन, या नींबू युकलिप्टस तेल वाले कीटाणुनाशक लगाएं।

– सुरक्षात्मक कपड़े पहनें: लंबे बाजू की शर्ट, लंबी पैंट, और मोजे पहनें ताकि मच्छरों के काटने से बचा जा सके।

– मच्छरदानी का उपयोगः मलेरिया–प्रवण क्षेत्रों में सोते समय कीटाणुनाशक–जतमंजमक मच्छरदानी का उपयोग करें।

– जाल का उपयोगः खिड़कियों और दरवाजों पर जाल लगाएं या बिस्तर के ऊपर मच्छरदानी का उपयोग करें।

इनडोर रिसिडुअल स्प्रे

घर के अंदर की सतहों पर कीटाणुनाशक लगाएं ताकि मच्छरों को मारा जा सके।

मलेरिया विरोधी दवाइयां

मलेरिया–प्रवण क्षेत्रों की यात्रा या वहां रहने पर मलेरिया विरोधी दवाइयां लें। सही दवा और खुराक के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लें।

मच्छरों के प्रजनन स्थलों को खत्म करें

मच्छर ठहरे हुए पानी में प्रजनन करते हैं। घर के आस–पास पानी रखने वाले बर्तन खाली करें और पानी के निकायों को लार्वीसाइड से इलाज करें।

जल्दी निदान और उपचार

लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। जल्दी निदान और उपचार गंभीर बीमारी और जटिलताओं को रोकने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष

मलेरिया एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती है, विशेषकर उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में। प्रभावी रोकथाम और उपचार रणनीतियाँ बीमारी की घटना और गंभीरता को काफी हद तक कम कर सकती हैं। यदि आप मलेरिया–प्रवण क्षेत्र में यात्रा कर रहे हैं या वहां रह रहे हैं, तो इन उपायों को गंभीरता से लेना आपके और आपके आसपास के लोगों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।

कमर तक लंबे बालों के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, कुछ ही दिनों में बढ़ जाएगी ग्रोथ

कई लड़कियों व महिलाओं को लंबे बाल पसंद होते हैं, तो कुछ को छोटे। कई लड़कियां चाहती हैं कि उनके बाल झड़ना बंद हो जाएं और बालों की अच्छी ग्रोथ हो। जिसके लिए हम कई तरह के शैंपू और हेयर प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट में केमिकल होने के कारण हमारे बाल रूखे और बेजान होने लगते हैं। ऐसे में अगर आप भी घुटनों तक लंबे बाल चाहती हैं, तो हम आपको कुछ नुस्खे बताने जा रहे हैं। इन नुस्खो को आजमाने के बाद आपके कमर तक लंबे बालों का सपना सच हो जाएंगा। तो आइए जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये चीजें

अगर आप अपने बालों को कमर जितना लंबा करना चाहती हैं, तो चार बड़े चम्मच नारियल तेल गर्म कर उसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल और एक बड़ा चम्मच अरंडी का तेल मिलाकर बालों में अप्लाई करें। फिर 20–25 मिनट तक इसे बालों में लगाए रहने के लिए हेयर वॉश करें। महीने भर में आपको इसका असर दिखेगा।

दही में मिलाकर लगाएं ये चीज

बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए 2 कप दही, 2 चम्मच नारियल का तेल और 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर बालों में 30 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। सप्ताह में एक बार इस नुस्खे को आजमाने से आपको असर दिखने लगेगा।

सरसों के तेल में मिलाएं ये बीज

हमारे बालों के लिए सरसों का तेल काफी फायदेमंद होता है। पुराने समय से बालों में इस तेल का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप सरसों के तेल में मेथी दाने मिलाकर बालों पर लगाते हैं, तो आपके बाल तेजी से ग्रोथ करेंगे। एक कटोरी सरसों के तेल में 2 चम्मच मेथी दाने को गर्म कर लें। फिर तेल ठंडा होने पर इसे बालों में अप्लाई करें।

सौंफ का करें सेवन

यदि आपके बाल झड़ते हैं और उनकी ग्रोथ कम हो गई है, तो आप सौंफ का सेवन करना शुरूकर दें। इससे बालों का झड़ना कम होगा और बाल मजबूत बनेंगे। वहीं बालों से रूसी की समस्या कम होगी और बाल शाइनी होंगे।

पतले होने के लिए मीठे से बना ली है दूरी, तो पहले पढ़ लीजिए चीनी को लेकर ये गाइडलाइन

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो चीनी (शुगर) की मात्रा को नियंत्रित करना बेहद जरूरी है। बहुत अधिक चीनी लेने से मोटापा, डायबिटीज, हार्ट प्रॉब्लम और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के मुताबिक एक दिन में कुल ऊर्जा (कैलोरी) का 10: से कम चीनी से आना चाहिए। चलिए जानते हैं चीनी के लेकर डब्लयूएचओ ने पूरी गाइडलाइन के बारे में

डब्लयूएचओ की सलाह

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के मुताबिक अगर आप और अधिक स्वस्थ रहना चाहते हैं तो चीनी की मात्रा को 5: तक सीमित करना बेहतर है। वजन कम करने की चाह रखने वाले 25 ग्राम (6 चम्मच) से ज्यादा शुगर न लें। चाय–कॉफी, मिठाइयां, पैकेज्ड जूस, बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजों में छिपी हुई शुगर को भी ध्यान में रखें। नोएडेड शुगर वाले विकल्प चुनें, लेकिन पैकेट के पीछे

नॉन–शुगर स्वीटनर को लेकर चेतावनी

डब्लयूएचओ का कहना है कि नॉन–शुगर स्वीटनर (जैसे स्टीविया, एस्पार्टेम) वजन घटाने में लंबे समय तक असरदार नहीं हैं। डब्लयूएचओ ने अपनी गाइडलाइन में कहा कि वजन कम करने या मोटापे से बचने के लिए लोगों को नॉन–शुगर स्वीटनर्स (जैसे कि सैकरीन, ऐस्पार्टेम, स्टेविया, सुक्रालोज आदि) का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये वे स्वीटनर हैं जो आमतौर पर डायट या शुगर–फ्री उत्पादों में इस्तेमाल किए जाते हैं।

डब्लयूएचओ ने क्यों दी चेतावनी

डब्लयूएचओ के अनुसार नॉन–शुगर स्वीटनर वजन कम करने में मदद नहीं करते, बल्कि लंबे समय तक इस्तेमाल करने पर टाइप 2 डायबिटीज, हृदय रोग और मृत्यु का खतरा बढ़ सकता है। इनका लंबे समय तक सेवन करने से खाने की आदतें बिगड़ सकती हैं, जिससे शरीर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो केवल चीनी कम करना ही नहीं, बल्कि नकली मिठास से भी दूरी बनाना जरूरी है। डब्लयूएचओ की गाइडलाइन हमें यही समझाने की कोशिश कर रही है कि स्मार्ट और संतुलित खानपान ही वजन घटाने का असली तरीका है।

मीठे की जगह चुनें ये विकल्प

फ्रूट्स से मिलने वाली नेचुरल शुगर लें। मीठे की क्रेविंग हो तो गुड़, शहद, खजूर जैसे प्राकृतिक विकल्प चुनें लेकिन सीमित मात्रा में। धीरे–धीरे चीनी की मात्रा घटाएं ताकि आदत बन सके।

संक्षिप्त

फर्जी बैंक गारंटी जारी करने वाली कंपनी के खिलाफ ईडी की छापेमारी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कारोबारी समूहों के लिए 'फर्जी' बैंक गारंटी जारी करने का रैकेट चलाने की आरोपी ओडिशा की एक कंपनी के खिलाफ शुक्रवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। कंपनी पर आरोप है कि उसने रिलायंस ग्रुप की एक कंपनी के लिए भी इस तरह की 68 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जारी की थी। भुवनेश्वर में स्थित कंपनी 'बिस्वाल ट्रेडलिंक' और इसके निदेशकों को खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया गया था। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला, दिल्ली पुलिस आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की नवंबर, 2024 की प्राथमिकी से संबंधित है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने शुक्रवार को कंपनी के भुवनेश्वर में स्थित तीन परिसरों और कोलकाता में स्थित एक "सहयोगी" कंपनी के खिलाफ छापेमारी की। एजेंसी के सूत्रों ने आरोप लगाया कि कंपनी आठ प्रतिशत कमीशन पर "फर्जी" बैंक गारंटी जारी करने की गतिविधि में लिप्त थी। सूत्रों ने बताया कि 'रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड' (रिलायंस पावर की सहायक कंपनी)/महाराष्ट्र एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड की ओर से सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) को सौंपी गई 68.2 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी फर्जी पाई गई। उन्होंने बताया कि ईडी ने पिछले सप्ताह मुंबई में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की कंपनियों के खिलाफ छापेमारी के दौरान इस लेनदेन से संबंधित कुछ दस्तावेज जब्त किए थे। सूत्रों ने बताया कि कई कंपनियों के साथ संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का पता चला है और इसकी जांच की जा रही है।

अमेरिका ने श्रीलंका के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की

अमेरिका ने श्रीलंका के निर्यात पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है, जो द्वीप राष्ट्र के लिए प्रस्तावित प्रारंभिक दर से 24 प्रतिशत कम है। शुल्क वार्ता की समय सीमा शुक्रवार को समाप्त हो रही है, इसलिए श्रीलंकाई अधिकारी और कटौती के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं। नया शुल्क सात अगस्त से लागू होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में श्रीलंका की वस्तुओं पर 44 प्रतिशत शुल्क लगाया था। हालांकि यह श्रीलंका के अमेरिकी आयात पर लगाए गए 88 प्रतिशत शुल्क का आधा था। अमेरिका ने पिछले महीने यह शुल्क घटाकर 30 प्रतिशत कर दिया था। श्रीलंका के निर्यातक हर वर्ष करीब तीन अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का माल अमेरिका को भेजते हैं। वियतनाम और बांग्लादेश जैसे क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने के लिए वे 20 प्रतिशत से कम शुल्क की उम्मीद कर रहे थे।

संसेक्स, निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट

अमेरिकी शुल्क संबंधी चिंताओं और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 111.17 अंक की गिरावट के साथ 81,074.41 अंक पर और एनएसई निफ्टी 33.45 अंक फिसलकर 24,734.90 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से सन फार्मा के शेयर में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर भी नुकसान में रहे। हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एशियन पेंट्स और मारुति के शेयर में बढ़त दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की 225 नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत फिसलकर 72.53 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,588.91 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने संविदा नियुक्तियों को लेकर उठाए गंभीर सवाल, रेल मंत्रालय को किया आगाह

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (दक्षिण सर्कल) ए एम चौधरी ने महत्वपूर्ण सुरक्षा कार्यों में संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों के लिए संविदा आधार पर स्टाफ की नियुक्ति और उन्हें इन क्षेत्रों में कौशल विकसित करने की अनुमति देना चिंताजनक है और इसकी प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि निकट भविष्य में संविदा का उपयोग न्यूनतम किया जाए और दीर्घकाल में इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। चौधरी ने यह टिप्पणी 2024 में मैसूर–दरभंगा बागमती एक्सप्रेस हादसे की जांच रिपोर्ट में की है। इसमें उन्होंने हादसे को तोड़फोड़ का नतीजा बताया गया था। 11 अक्टूबर, 2024 को मैसूरू–दरभंगा एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के चेन्नई रेल डिवीजन के कवराईपेट्टई रेलवे स्टेशन पर रात लगभग 8.30 बजे एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। इससे नौ यात्री घायल हो गए। सीआरएस की जांच से पता चला कि बदमाशों ने ट्रैक इंटरलॉकिंग सिस्टम के घटकों को जबरदस्ती हटा दिया था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। चौधरी ने साफ कहा कि दुर्घटना किसी उपकरण की अचानक विफलता के कारण नहीं हुई, बल्कि बदमाशों द्वारा एलएच टंग रेल की स्थिति में जबरन बदलाव के कारण हुआ। अपनी कार्रवाई रिपोर्ट में रेल मंत्रालय ने कहा कि नीति के अनुसार, संविदा कर्मचारियों को रेलवे कर्मचारियों के साथ या उनकी देखरेख में गैर–महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाता है। चौधरी की सिफारिशें उस चिंता की पुष्टि करती हैं, जो पहले ही भारतीय रेल सिग्नल एवं दूरसंचार अनुरक्षक संघ (पैंडन) ने मंत्रालय द्वारा संविदा आधार पर सिग्नलिंग और टेलीकॉम स्टाफ की नियुक्ति के पायलट प्रोजेक्ट को लेकर जताई थी। संघ के महासचिव आलोक चंद्र प्रकाश ने 3 जून को रेलवे मंत्री को पत्र लिखकर सभी रिक्त पदों पर स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति की मांग की थी।

इंग्लैंड दौरे पर शुरुआती दो टेस्ट में 55 की औसत...आखिरी तीन मैच में 14.6, यशस्वी को आखिर हुआ क्या ?

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ओवल में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने छह विकेट गंवाकर 204 रन बना लिए हैं। करुण नायर इस टेस्ट मे अब तक भारत की ओर से अर्धशतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। वह 52 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि वॉशिंगटन सुंदर 19 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 51 रन की नाबाद साझेदारी हो चुकी है। पहले दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी खराब रही। यशस्वी लगातार तीसरे टेस्ट में फेल हुए। वह दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शुरुआती दो टेस्ट में 55 की औसत से रन बनाने वाले यशस्वी, पिछले तीन टेस्ट की पांच पारियों में फुस्स रहे हैं और महज 14.6 की औसत से रन बनाए हैं। एजबेस्टन में भारत की जीत में ओपनर्स की अहम भूमिका रही थी। ऐसे में यशस्वी के जल्दी आउट होने से टीम इंडिया को अच्छी शुरुआत नहीं मिल पा रही है।

यशस्वी ने लीड्स और एजबेस्टन में शुरुआती दो टेस्ट की चार पारियों में 55 की औसत से 220 रन बनाए थे। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान उन्होंने 101 रन, 4 रन, 87 रन और 28 रन की पारियां खेलीं। टीम इंडिया को भी शुरुआती दो टेस्ट में यशस्वी और केएल राहुल ने अच्छी शुरुआत दिलाई। लीड्स की पहली पारी में दोनों के बीच 91 रन और दूसरी पारी में 19 रन, जबकि एजबेस्टन में पहली पारी में 19 रन और दूसरी पारी में 51 रन की साझेदारी निभाई। हालांकि, इसके बाद लॉर्ड्स, मैनचेस्टर और अब ओवल में पांच पारियों में यशस्वी फेल रहे हैं। उन्होंने आखिरी तीन टेस्ट की पांच पारियों में 14.6 की औसत से 73 रन बनाए हैं। इनमें एक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान उन्होंने 13 रन, शून्य, 58 रन, शून्य और दो रन बनाए हैं।

भारत को नहीं मिली मजबूत ओपनिंग

आखिरी तीन टेस्ट की पांच पारियों में भारत को 13 रन, पांच रन, 94 रन, शून्य और 10 रन की ओपनिंग साझेदारी मिली है। लॉर्ड्स में जब भारत को

दूसरी पारी में 193 रन का लक्ष्य मिला तो यशस्वी गलत शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा बैठे थे। भारत को अगर ओवल में पांचवां टेस्ट जीतना है तो यशस्वी की बल्लेबाजी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि वह तेज गति से रन बनाते हैं। उनका टेस्ट करियर शानदार रहा है और आंकड़े इसके गवाह हैं। यशस्वी ने अब तक 24 टेस्ट की 45 पारियों में 48.63 की औसत से 2091 रन बनाए हैं। इनमें पांच शतक और 12 अर्धशतक शामिल हैं। 214 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही है।

पहले दिन हो पाया 64 ओवर का खेल

ओवल टेस्ट के पहले दिन 64 ओवर का ही खेल हो पाया। बारिश से बाधित रहे इस दिन में भारतीय टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक छह विकेट पर 204 रन बना लिए हैं। करुण नायर 52 रन और वॉशिंगटन सुंदर 19 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक 51 रन की साझेदारी हो चुकी है। यह करुण के टेस्ट करियर का दूसरा 50+ स्कोर है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ ही नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी यह पहली 50+ रन की पारी है।

भारत की पारी

इससे पहले यशस्वी जायसवाल दो रन और केएल राहुल 14 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान शुभमन गिल 21 रन बनाकर रन आउट हुए। साई सुदर्शन 38 रन बना सके। रवींद्र जडेजा नौ रन और ध्रुव जुरेल 19 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से गस एटकिंसन और जोश टंग ने अब तक दो–दो विकेट लिए हैं। वहीं, क्रिस वोक्स को एक विकेट मिला। वोक्स को कंधे में चोट लगी और वह दर्द से खेल के बीच में ड्रेसिंग रूम में वापस लौट गए थे।

करुण ने आठ साल बाद खेली 50+ रन की पारी, सुंदर के साथ छठे विकेट के लिए नाबाद 51 रन की साझेदारी

लंदन। भारतीय टीम में वापसी कर रहे करुण नायर ने अर्धशतक जड़ा, लेकिन गस एटकिंसन और जोश टंग की धारदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित पहले दिन मेहमान टीम का पहली पारी में स्कोर छह विकेट पर 204 रन करके अपना पलड़ा भारी रखा। एटकिंसन (31 रन पर दो विकेट) और टंग (47 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और गेंदबाजी की अनुकूल परिस्थितियों में नायर के अलावा उसका कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। बारिश के कारण पहले दिन 64 ओवर का ही खेल संभव हो पाया। यह करुण के टेस्ट करियर का दूसरा 50+ स्कोर है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ ही नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। इसके बाद उनकी यह पहली 50+ रन की पारी है। भारत ने 153 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे जिसके बाद नायर (नाबाद 52 रन, 98 गेंद, सात चौके) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 19 रन) ने सातवें विकेट के लिए 51 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को वापसी दिलाने का प्रयास किया। भारत के लिए पहले दो सत्र की तरह तीसरे सत्र में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। एक छोर पर टिककर खेल रहे साई सुदर्शन (38) टंग की शानदार आउटस्विंगर पर विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों लपके गए जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर 101 रन हो गया। नायर ने टंग के अगले ओवर में दो चौके मारे लेकिन इस तेज गेंदबाज ने रविंद्र जडेजा (09) को स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत को पांचवां झटका दिया। जडेजा ने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर वाशिंगटन के साथ मिलकर भारत को हार से बचाया था। ध्रुव जुरेल 19 रन की पारी के दौरान अच्छी लय में नजर आए। वह गस एटकिंसन की अंदर आती गेंद पर पगबाधा होने से बचे लेकिन अगली गेंद पर दूसरी स्लिप में हैरी ब्रूक को कैच दे बैठे। नायर ने जेमी ओवरटन पर लगातार दो चौकों के साथ दबाव कम करने का प्रयास किया। नायर और वाशिंगटन ने इंग्लैंड के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नायर ने 62वें ओवर में जैकब बेथेल की गेंद पर दो रन के साथ 89 गेंद में अपने करियर का पहला अर्धशतक पूरा किया और साथ टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। इससे पहले बारिश के कारण लंच और चाय के बीच सिर्फ छह ओवर का खेल हो गया जिसमें भारत ने कप्तान शुभमन गिल (21) का विकेट गंवाकर 13 रन बनाए।

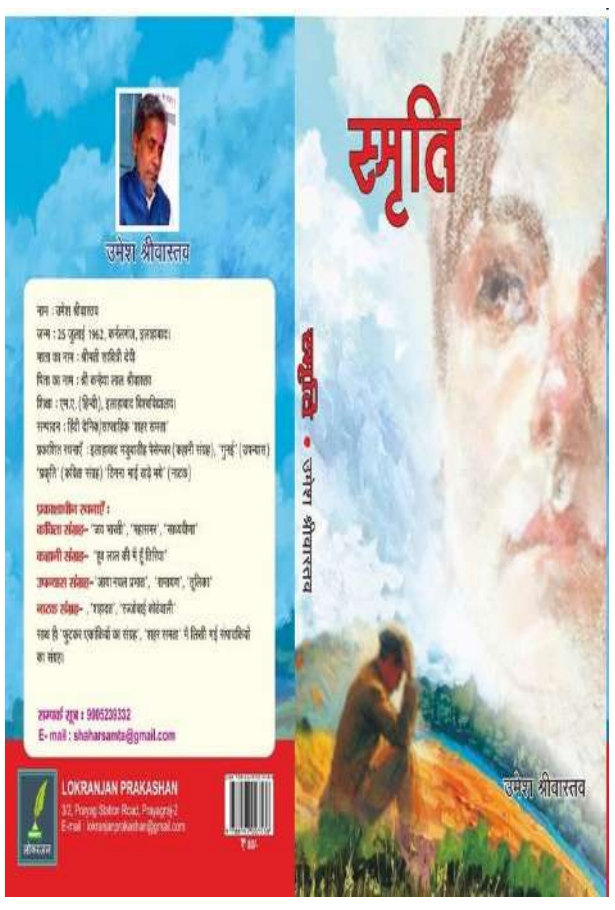

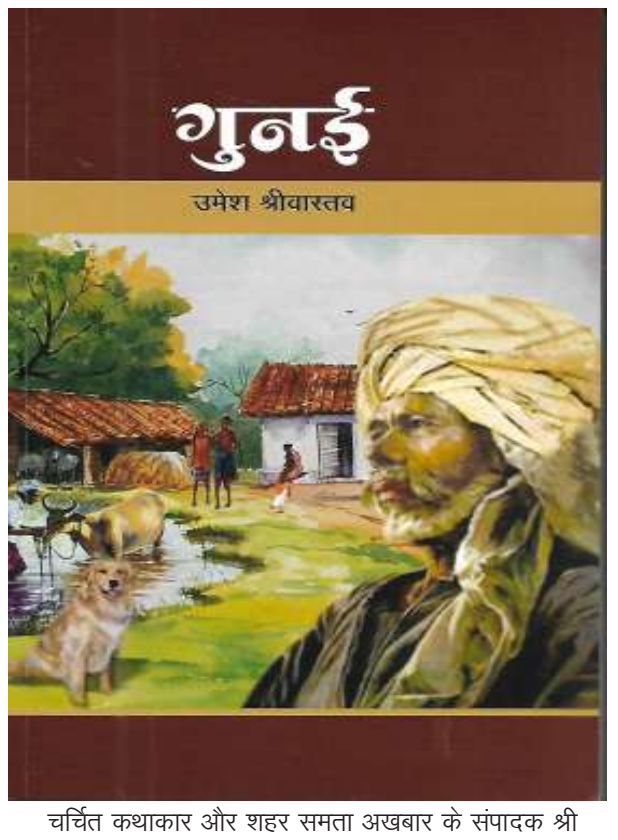

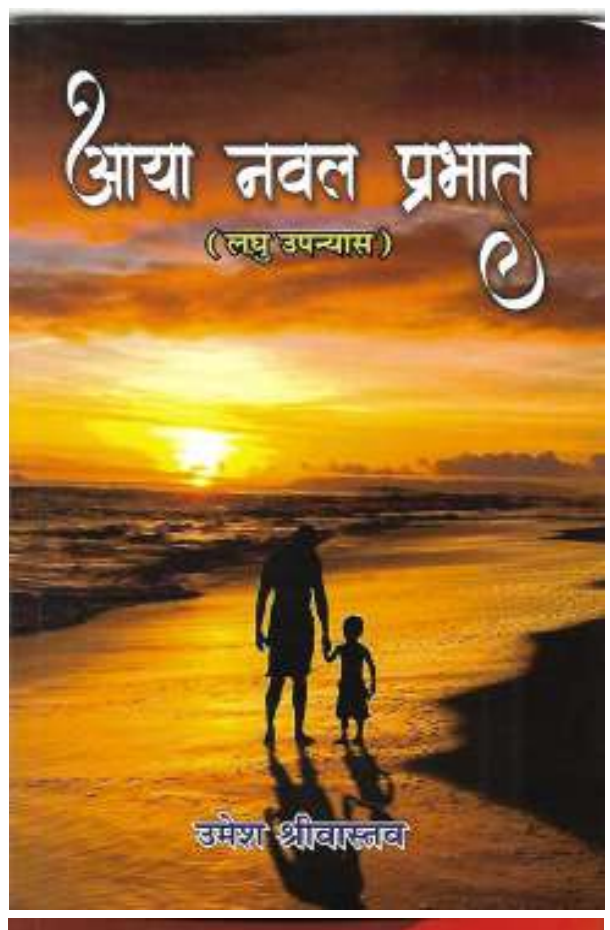

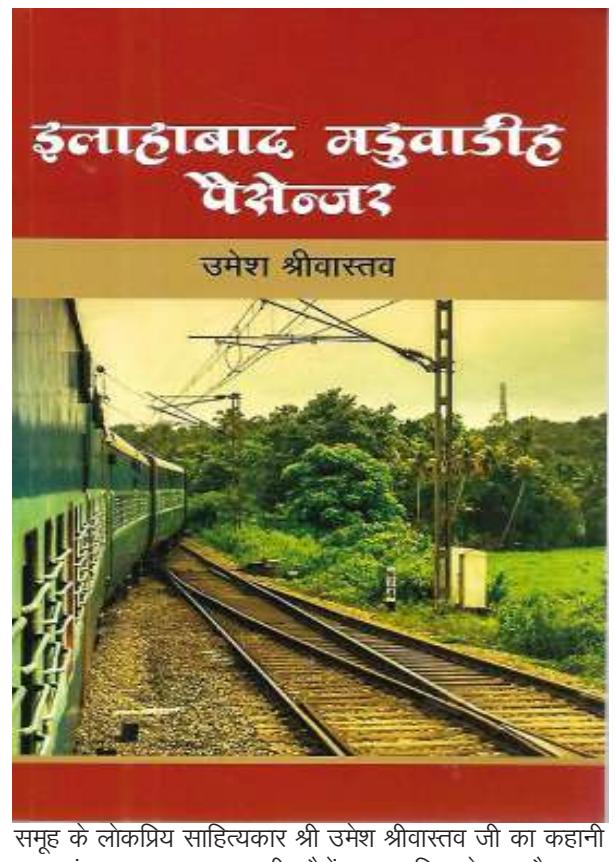

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

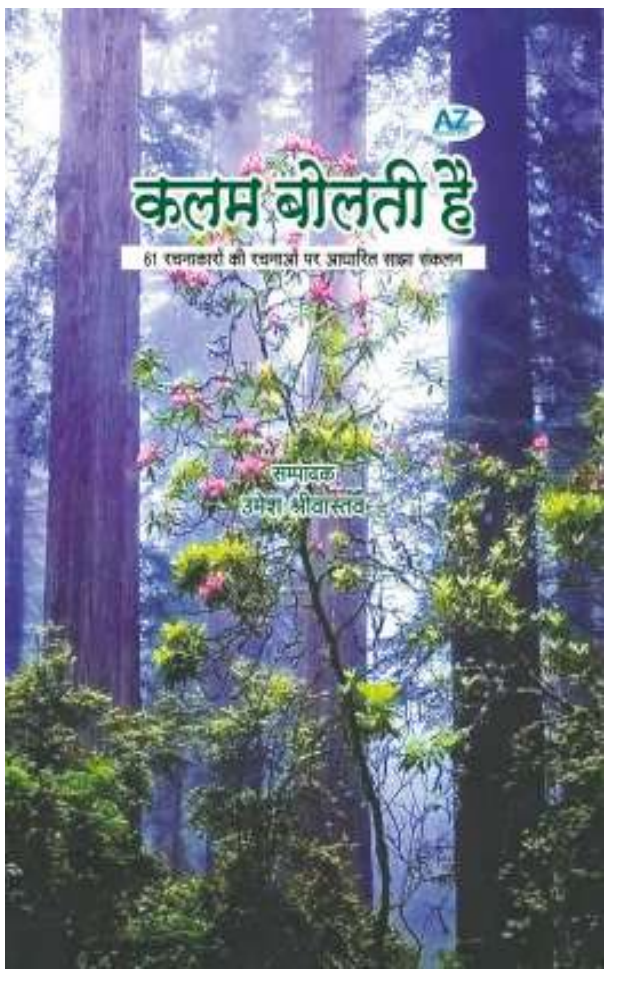

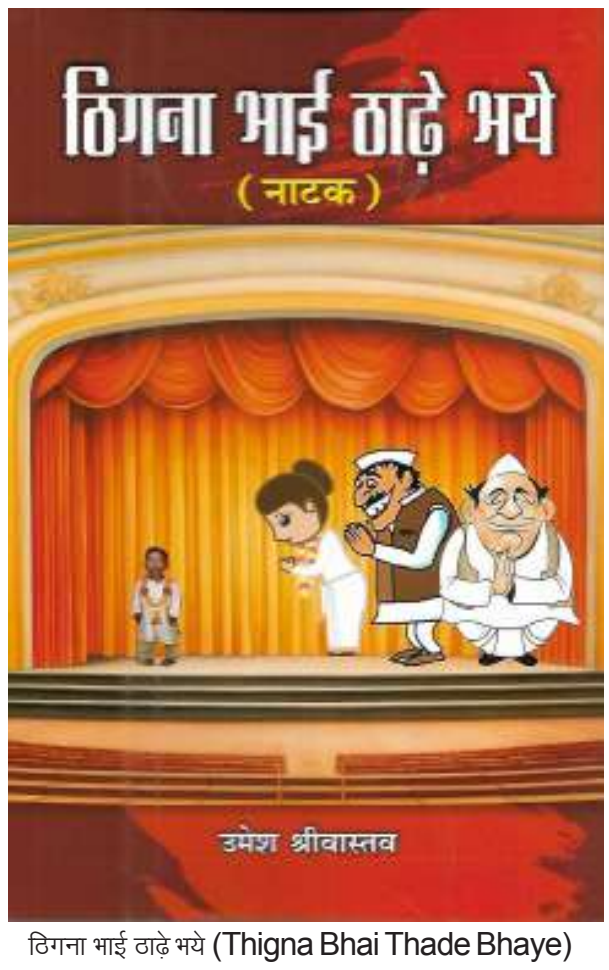

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान समेत कई देशों में संघर्ष खत्म कराए, उन्हें नोबेल मिलना चाहिए : व्हाइट हाउस

अमेरिकी राष्ट्रपति व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया भर में कई संघर्षों को समाप्त कराया है, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का संघर्ष भी शामिल है। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान ने वाशिंगटन की मध्यस्थता में ''एक रात तक चली'' बातचीत के बाद ''पूर्ण रूप से और तुरंत'' संघर्षविराम पर सहमति जतायी है। इसके बाद से वह बार–बार यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने में मदद की। लेविट ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ट्रंप ने ''थाईलैंड और कंबोडिया, इजराइल और ईरान, रवांडा और लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो, भारत और पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो तथा मिस्र और इथियोपिया के बीच संघर्ष समाप्त कर दिए हैं।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने छह महीने के कार्यकाल में औसतन हर महीने एक शांति समझौता या युद्धविराम कराया है। प्रेस सचिव ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार दिए जाने का वक्त आ गया है।'' ट्रंप ने यह दावा करीब 30 बार दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ''कम कराने में मदद की" और परमाणु हथियार संपन्न दक्षिण एशियाई पड़ोसी देशों से कहा कि अगर वे संघर्ष रोकते हैं, तो अमेरिका उनके साथ "बहुत ज्यादा व्यापार" करेगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सप्ताह संसद में कहा कि किसी भी देश के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को स्पष्ट रूप से कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्षविराम लाने में किसी तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप नहीं था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सैन्य कार्रवाई रोकने और व्यापार के बीच कोई लेना–देना नहीं था। राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से लेकर 16 जून तक प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच टेलीफोन पर कोई बातचीत नहीं हुई थी।

गाजा में भोजन वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करने के लिए इजराइल पहुंचे अमेरिकी दूत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गाजा में बदतर होती मानवीय स्थिति पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को इजराइल पहुंचे। गाजा में भोजन और अन्य सहायता की प्रतीक्षा करते समय जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने बताया कि विटकॉफ और अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी शुक्रवार को गाजा में भोजन वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बीते 24 घंटे में सहायता प्राप्त करने का प्रयास करते समय कम से कम 91 फलस्तीनी मारे गए जबकि 600 से अधिक लोग घायल हुए हैं। 54 लोगों की मौत बुधवार को उत्तरी गाजा में जिकिम चौराहे पर भोजन की प्रतीक्षा करते समय हुई।

लंदन में ब्रिटिश सिख शख्स की चाकू मारकर हत्या मामले में अब तक क्या-क्या हुआ, किस-किस को किया गया गिरफ्तार?

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक 30 वर्षीय ब्रिटिश सिख युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गुरमुख सिंह उर्फ गैरी के रूप में हुई है। यह घटना 23 जुलाई को पूर्वी लंदन के इलफोर्ड इलाके में हुई। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। मेट पुलिस के अनुसार, उन्हें लंदन एंबुलेंस सेवा से कॉल मिली थी कि एक आवासीय इलाके में झगड़ा हुआ है।

इस्लामाबाद में विशाल तेल भंडार बनाएंगे... वाला सपना दिखाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान पर लगाया 19 प्रतिशत टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार (1 अगस्त, 2025) को व्यापार समझौते की समय सीमा से पहले दर्जनों व्यापारिक साझेदारों पर भारी टैरिफ लगा दिया, जिसमें कनाडा से आने वाले कई सामानों पर 35:, ब्राजील के लिए 50:, भारत के लिए 25:, ताइवान के लिए 20: और स्विट्जरलैंड के लिए 39: शुल्क शामिल है। पाकिस्तान के साथ ष्ऐतिहासिक ऊर्जा साझेदारीष की घोषणा के एक दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पाकिस्तानी वस्तुओं पर 19: टैरिफ लगा दिया। यह कदम ट्रंप के व्यापक ष्मुक्ति दिवसष टैरिफ के विस्तार योजना के हिस्से के रूप में उठाया गया है, जिसकी घोषणा गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से की गई थी। दर्जनों देशों पर लागू होने वाले ये नए टैरिफ सात दिनों में, 7 अगस्त को वाशिंगटन समयानुसार रात 12:01 बजे से लागू होने वाले हैं।

अमेरिका–पाकिस्तान के बीच तेल भंडार का समझौता

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार का सपना दिखाने के बाद, लगता है पाकिस्तान ने उन्हें तेल का सपना दिखा दिया है। तेल तो उसके पास है ही नहीं। वरना पाकिस्तानी एक लीटर पेट्रोल के लिए 272 रुपये क्यों चुकाते? भारतीय उत्पादों पर 25: आयात शुल्क और जुर्माना लगाने की घोषणा के एक दिन बाद, ट्रम्प ने यह घोषणा करके इसे और हवा दे दी कि अमेरिका ने एक समझौता कर लिया है, जिसके तहत इस्लामाबाद और वाशिंगटन, पाकिस्तान के ''विशाल तेल भंडार'' को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। उन्होंने अपने प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल पर यह खबर साझा की और इस समझौते को अमेरिका–पाकिस्तान के बीच दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी की ष्एक महत्वपूर्ण शुरुआतष बताया। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप पाकिस्तान में किस विशाल तेल भंडार की बात कर रहे थे।

हालांकि विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन ट्रम्प ने कहा कि दोनों देश अज्ञात तेल भंडारों का दोहन करने के लिए सहयोग करेंगे तथा उन्होंने यह विचार भी रखा कि पाकिस्तान अंततः भारत को तेल निर्यात करेगा।

डोनाल्ड ट्रम्प ने पाकिस्तान पर 19: टैरिफ लगाया

पाकिस्तान के साथ ''ऐतिहासिक ऊर्जा साझेदारी'' की घोषणा के एक दिन बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को पाकिस्तानी उत्पादों पर 19: टैरिफ लगा दिया। यह कदम ट्रंप द्वारा गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से घोषित ष्मुक्ति दिवसष टैरिफ के विस्तार की योजना का हिस्सा है। हालाँकि पाकिस्तान पर पहले 29: का भारी शुल्क लगाया जाता था, लेकिन गुरुवार को जारी अंतिम सूची से पता चलता है कि वाशिंगटन के साथ आखिरी समय में व्यापार समझौता होने के बाद दक्षिण एशियाई देश की टैरिफ दर घटकर 19प्रतिशत हो गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यों बढ़ाया टैरिफ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को होने वाली व्यापार समझौते की समय सीमा से पहले दर्जनों व्यापारिक साझेदारों पर उच्च टैरिफ लगाने वाले एक नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं – यह अमेरिकी व्यवसायों के पक्ष में वैश्विक व्यापार को नया रूप देने का उनका नवीनतम प्रयास है। आदेश के अनुसार, 69 व्यापारिक साझेदारों के लिए आयात शुल्क की बढ़ी हुई दरें 10 प्रतिशत से बढ़कर 41 प्रतिशत हो जाएँगी। यह वाशिंगटन और यूरोपीय संघ व जापान जैसे प्रमुख साझेदारों के बीच हुए व्यापार समझौतों के अनुरूप विभिन्न स्तरों के शुल्कों के साथ–साथ था। आदेश में कहा गया है कि अनुबंध में सूचीबद्ध नहीं किए गए अन्य सभी देशों के सामानों पर 10 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क दर लागू होगी।

और व्यापार समझौतों की घोषणा होनी बाकी

ट्रम्प के आदेश में कहा गया है कि कुछ व्यापारिक साझेदारों ने, ष्बातचीत में शामिल होने के बावजूद, ऐसी शर्तें पेश की हैं जो, मेरे विचार से, हमारे व्यापारिक संबंधों में असंतुलन को पर्याप्त रूप से दूर नहीं करती हैं या आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ पर्याप्त रूप से संरेखित नहीं हैं।ष ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों ने संवाददाताओं को बताया कि ट्रम्प की उच्च पारस्परिक टैरिफ दरें लागू होने वाली हैं, इसलिए अभी और व्यापार समझौतों की घोषणा होनी बाकी है। अधिकारी ने कहा, हमारे पास कुछ समझौते हैं। और मैं उन समझौतों की घोषणा करने में अमेरिकी राष्ट्रपति से आगे नहीं बढ़ना चाहता।

दर्जनों व्यापारिक साझेदारों पर भारी टैरिफ

सीरिया पर 41 प्रतिशत, कनाडा से आने वाले कई सामानों पर 35 प्रतिशत, ब्राज़ील पर 50 प्रतिशत, भारत पर 25 प्रतिशत, ताइवान पर 20 प्रतिशत और स्विट्ज़रलैंड पर 39 प्रतिशत तक के शुल्क लगाए गए। इस बीच, पाकिस्तान से आयातित सामानों पर शुल्क 29 प्रतिशत से घटाकर 19 प्रतिशत कर दिया गया है।

भारत पर 500प्रतिशत टैरिफ वाला बिल ला रहा अमेरिका? ढाल बनकर खड़ा हुआ रूस, कहा- जो करना है कर लो

अमेरिका ने भारत पर 25प्रतिशत का टैरिफ लगाकर ये सोच लिया था कि इससे शायद भारत घुटनों के बल आ जाएगा। लेकिन कहानी का असली ट्विस्ट तो तब आया जब रूस ने बिना नाम लिए भारत के लिए ढाल बनकर खड़ा हो गया और दुनिया को कह दिया कि जो करना है कर लो। अब फर्क नहीं पड़ता। इस एक बयान ने अमेरिका को हिला कर रख दिया। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने एक और धमाका कर दिया। भारत पर 25 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाने का ऐलान कर दिया। मकसद साफ था कि भारत को डराना, दवाब बनाना और रूस से उसके रणनीतिक साझेदारी को तोड़ना। लेकिन ट्रंप यहीं नहीं रुके सूत्रों की माने तो अमेरिकी कांग्रेस ने 500 प्रतिशत तक के टैरिफ वाला बंकर बस्टर बिल लाने की तैयारी चल रही है। लेकिन इस बात भारत ने झुकने की बजाए खामोशी के साथ मैदान तैयार किया और दोस्त आया

मैदान में नाम रूस है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमीत्री पेस्कोव ने कह दिया कि हम इतने वर्षों से प्रतिबंध झेलते आ रहे हैं कि अब हमारी अर्थव्यवस्था को इसकी आदत हो गई है। ये वाक्य नहीं अमेरिका की ट्रेड रणनीति के चेहरे पर करारा तमाचा था। इसके बाद रूस की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाकारोवा ने कह दिया कि अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी इतने दोहराए जा चुके कदम उठा रहे हैं कि वो ऊबाउ लगने लगे है। बिना भारत का नाम लिए रूस ने अमेरिका को दो टूक कहा कि हम उनके साथ खड़े हैं। इसे ही कूटनीति की भाषा में स्ट्रैटजिक मैसेजिंग विद आउट एट्रिब्यूशन यानी न दोस्ती का डोल न बयानबाजी पर बस सीधा संकेत कि भारत को अकेला मत समझो। ट्रंप का टैरिफ आ गया लेकिन भारत शांत है। कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस या कोई ट्वीट वॉर नहीं। भारत ने पिछले तीन सालों में एक साइलेंट शील्ड तैयार कर ली है। रुपे–रुबल ट्रांसजक्शन के जरिए डॉलर को दरकिनार कर दूसरी मुद्रा में व्यापार करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा बहुस्तरीय ट्रेड नेटवर्क के जरिए भारत अब यूएई–सऊदी अरब, अफ्रीका, मध्य एशिया के साथ गहरे व्यापारिक रिश्ते बना चुका है। यानी कोई एक दरवाजा बंद होगा तो दस नए दरवाजे खुलेंगे। स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी रूस से सस्ते खरीदे गए तेल भारत अपने एसपीआर में स्टोर कर रहा। युद्ध जैसे हालात में भी 60 दिनों की एनर्जी सिक्योरिटी, 14 टेक्नोलॉजी डील और जहां अमेरिका रोक लगा रहा है वहीं भारत जापान, फ्रांस, रूस, यूएई के साथ मिलकर डील कर रहा है। रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500: टैरिफ के प्रस्ताव वाला बिल अमेरिकी संसद में लंबित है। यह बिल रिपब्लिकन लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक रिचर्ड ब्लूमेंथल बिल लाए हैं। इसे 100 में से 85 सीनेटरों का समर्थन है। इस पर सितंबर या अक्टूबर में वोटिंग होगी। रिब्लिकन और डेमोक्रेटिक सीनेटर रूस के साथ ट्रेड करने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंधों के पक्षधर हैं। इसे सेकंडरी टैरिफ का नाम दिया जा रहा है।

भारत का रूस से तेल खरीदना ही परेशानी की वजह नहीं..., अमेरिकी विदेश मंत्री का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि भारत, रूस से तेल खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है और यूक्रेन में युद्ध जारी है। मार्को रुबियो ने कहा कि भारत के साथ परेशानी की ये सबसे बड़ी वजह है, लेकिन इसके अलावा भी कई अन्य वजह हैं। एक अमेरिकी मीडिया संस्थान के साथ इंटरव्यू में मार्को रुबियो ने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप, इस बात से बेहद नाराज हैं कि भारत, रूस से लगातार तेल की खरीद कर रहा है, जबकि भारत के पास तेल खरीदने के लिए कई अन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन रूस से तेल खरीदकर भारत, रूस की यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद कर रहा है। रुबियो ने कहा कि श्भारत को अपनी अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा की बहुत ज्यादा जरूरत है। ऐसे में भारत, रूस से तेल खरीद रहा है क्योंकि रूस का तेल प्रतिबंधों के चलते सस्ता है। कई मामलों में रूस वैश्विक तेल की कीमतों से कम पर भी तेल बेच रहा है। लेकिन दुर्भाग्य से इससे रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई जारी रखने में मदद मिल रही है। इसलिए ये सबसे अहम वजह है, जिससे हमें परेशानी है, लेकिन ये सिर्फ इकलौती वजह नहीं हैं। हमारे बीच कुछ अन्य मुद्दे भी हैं, जिन पर असहमति है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत जारी है, लेकिन एक मुद्दे पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

अमेरिका में आठ नए कान्सुलर एप्लिकेशन सेंटर खुलेंगे, राजदूत क्वात्रा ने संबंधों पर कही यह बात

वॉशिंगटन। भारत ने अमेरिका में आठ नए कॉन्सुलर एप्लिकेशन सेंटर, यानी वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्र खोलने की घोषणा की है। अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय क्वात्रा ने कहा कि नए भारतीय कांसुलर आवेदन केंद्र बोस्टन, कोलंबस, डलास, डेट्रॉइट, एडिसन, ऑरलैंडो, रैले और सैन जोस में खोले जाएंगे। उन्होंने इस एलान के साथ दोनों देशों के बीच आपसी रिश्ते को मजबूत करने की जरूरत को भी रेखांकित किया। भारत–अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर क्वात्रा ने कहा, श्मुझे पूरा विश्वास है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते के मूल में लोगों के बीच के आपसी संबंध हैं।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है
उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227